दैनिक

इंटीग्रेटेड ट्रेड

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस | 2018 में स्थापित | ITDCNEWS.COM

डेवलपमेंट सेंटर न्यूज

आरएनआई नं. MPHIN/2018/77221
डाक पंजीयन नं. MP/BHOPAL/4-504/2020-22

वर्ष-4 अंक-277 भोपाल, बुधवार 18 अगस्त, 2021, पृष्ठ-8, मूल्य-3 रुपए

आज का सुविचार

किसी को माफ़ करना कमजोरी नहीं वरन सामर्थ्यवान ही ऐसा कर सकता है ।
–महात्मा गाँधी

पंचांग

श्रावण कृष्ण पक्ष
दसमी, बुधवार
विक्रम, संवत 2078

मौसम

सूर्योदय/सूर्यास्त	5:58/6:51
वर्षा/बादल %	16 %
नमी %	85 %
वायु (किमी/घं.)	08
तापमान प्रातः/रात्रि (डिग्री से.)	30°/24°

स्वर्ण दर 24 कैरेट

प्रति 10 ग्राम/1तौला

₹ 48,930

शेयर सूचकांक

बीएसई	55792.27	+209.69
निफ्टी	16614.60	+51.55

हरियाली सूचकांक

भारत 22%
म.प्र. 32%

माँ प्रकृति की सेवा को भी समय दें

भारत सरकार का बड़ा फैसला : ई-इमरजेंसी X-Misc वीजा का ऐलान, अफगानिस्तान में फंसे भारतीयों के लिए हेल्पलाइन नंबर और ई-मेल आईडी जारी की

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नईदिल्ली

अफगानिस्तान में बने हालात को देखते हुए भारत सरकार ने एक बड़ा फैसला लिया है। भारत के गृह मंत्रालय ने स्थिति को देखते हुए वीजा प्रावधानों की समीक्षा की है। सरकार ने अफगानिस्तान से भाग कर भारत आ रहे अफगानियों के लिए वीजा प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए मकसद से इलेक्ट्रॉनिक वीजा की नई कैटेगरी ई-इमरजेंसी एक्स मिस्क वीजा (e-Emergency X-Misc Visa) का ऐलान किया है। यह भारत में प्रवेश के वीजा आवेदनों का तेजी से निपटारा करेगा।

हेल्पलाइन नंबर और ई-मेल आईडी जारीः- भारत सरकार ने अफगानिस्तान में फंसे भारतीयों से संपर्क करने के लिए हेल्पलाइन नंबर और ई-मेल आईडी जारी की है। विदेश मंत्रालय ने हेल्पलाइन नंबर +919717785379 के साथ-साथ ई-मेल MEAHelpdeskIndia@gmail.com जारी की है। इसके जरिए अफगानिस्तान में फंसे लोग अपनी बात भारत तक पहुंचा सकते हैं।

अफगानिस्तान की स्थिति को करीब से देख रहे-एस जयशंकरः- भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर का कहना है कि तालिबान के आने के बाद से भारत अफगानिस्तान की स्थिति को करीब से देख रहा है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि हम काबुल में स्थिति की लगातार निगरानी कर रहे हैं। हम भारत लौटने के इच्छुक लोगों की चिंता को समझते हैं। फिलहाल हवाई अड्डे का संचालन मुख्य चुनौती है। इस संबंध में हम लगातार बातचीत कर रहे हैं।

भारतीयों को सुरक्षित देश लाना हमारी प्राथमिकताः एस जयशंकर

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने आगे कहा कि हम काबुल में सिख और हिंदू समुदाय के नेताओं के साथ लगातार संपर्क बनाए हुए हैं। उन्हें सुरक्षित अपने देश लाना हमारी प्राथमिकता होगी। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि अफगानिस्तान से भारतीय नागरिकों को निकालने के लिए एक स्पेशल अफगानिस्तान सेल का गठन किया गया है। मंत्रालय ने बताया कि काबुल हवाई अड्डे पर कमर्शियल संचालन को निलंबित कर दिया है। जिसके कारण लोगों की वापसी के हमारी कोशिशों पर रोक लग गई है। हम उड़ानों के फिर से शुरू होने की इंतजार कर रहे हैं।

तालिबान के 5 खूंखार चलाएंगे सरकार

कोई आत्मघाती हमलों का मास्टरमाइंड तो कोई महिलाओं के हकों का दुश्मन

» इनके हाथ में होगी अफगानिस्तान की सत्ता

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

अफगानिस्तान अब इस्लामिक अमीरात बन चुका है। मौलवी हिब्तुल्लाह अखुंदजादा इसका अमीर अल मोमिनीन घोषित हुआ है। तालिबान ने राष्ट्रपति भवन और संसद समेत सभी सरकारी इमारतों पर कब्जा जमा लिया है। पूरे देश में अफरा-तफरी के बीच उन लोगों के नाम सामने आए हैं, जिनके हाथ में तालिबान सरकार की कमान हो सकती है। हिब्तुल्लाह अखुंदजादा के अलावा मुल्ला अब्दुल गनी बरादर, मुल्ला मोहम्मद याकूब, सिराजुद्दीन हक्कानी और मुल्ला अब्दुल हकीम को अहम जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। इसमें से कुछ 1996 से 2001 तक चली तालिबान सरकार में शामिल थे, तो कुछ ने अमेरिका के खिलाफ 20 साल चली जंग में अहम भूमिका निभाई।

मौलवी हिब्तुल्लाह अखुंदजादाः फतवों का मास्टर

अरबी में हिब्तुल्लाह का मतलब होता है ईश्वर का तोहफा। अपने नाम के उलट हिब्तुल्लाह अखुंदजादा ऐसा क्रूर कमांडर है जिसने कातिलों और अवैध संबंध रखने वालों की हत्या करवा दी और चोरी करने वालों के हाथ काटने की सजा दी।

मुल्ला अब्दुल गनी बरादरः शांति वार्ता का हिमायती

मुल्ला अब्दुल गनी बरादर उन चार लोगों में से एक है जिन्होंने तालिबान का गठन किया था। वो तालिबान के फाउंडर मुल्ला उमर का डिप्टी था। 2001 में अमेरिकी हमले के वक्त वो देश का रक्षामंत्री था। 2010 में अमेरिका और पाकिस्ता ने एक ऑपरेशन में बरादर को गिरफ्तार कर लिया।

तालिबानी हिंसा पर मलाला की अपील

अफगानिस्तान में महिलाओं-बच्चियों की हालत बेहद खराब, बाइडेन सख्त कदम उठाएं

नोबेल शांति पुरस्कार हासिल कर चुकीं पाकिस्तान की सामाजिक कार्यकर्ता मलाला युसुफजई ने अफगानिस्तान के हालात पर चिंता जताई है। ब्रिटेन में रह रही मलाला ने मंगलवार को कहा कि अफगानिस्तान में महिलाएं और बच्चियां सुरक्षित नहीं हैं। वर्ल्ड लीडर्स को इस पर तुरंत एक्शन लेना चाहिए। मलाला ने पाकिस्तान सरकार से अफगान शरणार्थियों को जगह देने की अपील भी की है। मलाला ने कहा कि इस वक्त यह मानवता पर सबसे बड़े संकट का है। हमें अफगानिस्तान के लोगों की मदद करनी चाहिए। उन्होंने कहा, अफगानिस्तान में महिला अधिकारों के लिए काम करने वाले कार्यकर्ताओं से मेरी बात हुई है। उन्हें समझ नहीं आ रहा है कि भविष्य में उनके साथ क्या होगा।

अफगानिस्तान में फंसे भारतीय नागरिकों को लेकर हिंडन एयरबेस पहुंचा एयरफोर्स का सी-17 विमान

अफगानिस्तान पर तालिबानी कब्जे के बाद काबुल से भारतीयों को लाने का सिलसिला जारी है। इंडियन एयरफोर्स का सी-17 विमान मंगलवार शाम 5 बजे अफगानिस्तान में फंसे भारतीय नागरिकों को लेकर हिंडन एयरबेस पहुंचा। काबुल से यह विमान 120 लोगों को लेकर सबसे पहले जामनगर उतरा था। यहां घबराए लोगों को ब्रेकफास्ट कराया गया। इसके बाद इन्हे दिल्ली के हिंडन एयरबेस पर लाया गया है। यहां से सीाी लोगों को उनके घर भेजा जाएगा। काबुल एयरपोर्ट और पंजशीर को छोड़ पूरा अफगानिस्तान अब तालिबान के कब्जे में है। इस बीच तालिबान की संस्कृति परिषद का प्रमुख जबीउल्लाह मुजाहिद आज प्रेस कॉन्फ्रेंस करेगा। जबीउल्लाह को दुनिया पहली बार देखेगी, क्योंकि अभी तक उसकी कोई तस्वीर सामने नहीं आई है। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान वह बताएगा कि तालिबान का शासन कैसा होगा, यानी वह अफगानिस्तान में तालिबानी संस्कृति लागू करने का रोडमैप बताएगा।

गुजरात में तालिबान जैसी क्रूरता

दूसरे समाज की औरतों से बात करने पर महिला को सरेआम लात-घूंसों और लाठियों से पीटा

गुजरात। गुजरात के दाहोद जिले में एक महिला के साथ क्रूरता का मामला सामने आया है। यहां परिवार के लोगों ने महिला से इस तरह मारपीट की जैसे अफगानिस्तान का कुख्यात संगठन तालिबान करता है। महिला की गलती सिर्फ इतनी थी कि वह दूसरे समाज की औरतों से बात करती थी। घटना दाहोद जिले के फतेपुरा गांव की है। यहां वलवई समाज और भाभोर समाज के बीच काफी समय से लड़ाई चली आ रही है। वलवई समाज की 50 वर्षीय एक महिला भाभोर समाज की महिला से बात करती थी। महिला के परिवार को इस पर ऐतराज था। महिला के बात करने से नाराज परिवार ने उसे बीच सड़क पर लात-घूंसों और लाठियों से पीटा, और इसके बाद सड़क पर घसीटा।

मप्र में 24 घंटे में 11 संक्रमित मिले

इंदौर में 19 दिन बाद फिर 7 पॉजिटिव आए; भोपाल में एक सप्ताह में दूसरी बार कोई संक्रमित नहीं मिला

प्रदेश में 6 दिन में 64 केस मिले

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

मध्यप्रदेश में कोरोना संक्रमण के 24 घंटे में 11 नए मामले आए हैं। अकेले इंदौर में ही 60 फीसदी से ज्यादा केस आए हैं। यहां 19 दिन बाद दोबारा 7 कोरोना संक्रमित मिले। राहत की बात यह है कि राजधानी भोपाल में एक सप्ताह में दूसरी बार कोई संक्रमित नहीं मिला है। प्रदेश में 6 दिनों में 64 कोरोना पॉजिटिव अगल-अलग जिलों में रिपोर्ट हुए हैं। स्वास्थ्य विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक, प्रदेश में प्रदेश में पिछले 24 घंटे में 11 कोरोना संक्रमित मिले हैं। इसमें इंदौर

में सबसे ज्यादा 7 केस मिले हैं। इससे पहले 28 जुलाई को इंदौर में 7 केस आए थे। यह संक्रमित इंदौर के रेलवे स्टेशन रोड, ओशियन पार्क निपानिया, साकेत नगर, खण्डवा रोड, अनपूर्णा मंदिर रोड़, तलावली चंदा और सेंट्रल जेल से मिले हैं। वहीं,जबलपुर में 2 संक्रमित मिले हैं। इसके अलावा 2 केस अन्य जिले से मिले हैं। इस दौरान 10 मरीज ठीक हुए हैं। प्रदेश में अब तक 7 लाख 92 हजार 43 लोग कोरोना संक्रमित हो चुके हैं। इनमें से 7 लाख 81 हजार 433 मरीज ठीक हो चुके हैं। अब तक कोरोना के कारण 10515 लोगों की मौत हुई है। प्रदेश में कोरोना का रिकवरी रेट 98.66 फीसदी और पॉजिटिविटी रेट 0.01 फीसदी है। प्रदेश में कोरोना संक्रमितों के लिए 26736 आईसीयू, ऑक्सीजन सपोर्टेड और बिना ऑक्सीजन के बेड रिजर्व है। इन पर अभी संक्रमित और संदिग्ध 118 मरीज भर्ती हैं। इनमें भोपाल में 24 और इंदौर में 5 मरीज भर्ती है।

भोपाल के सिनेमाघरों से फिल्मी इंटरवल खत्म, 19 से खुलेंगे

5 सिनेमाघर-मल्टीप्लेक्स में लगेगी बेल बॉटम 4 महीने बाद बड़े पर्दे पर दिखेगी नई मूवी

» शर्त 50 फीसदी दर्शक ही हॉल में बैठ सकेंगे

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

भोपाल के सिनेमाघर-मल्टीप्लेक्स से फिल्मी इंटरवल 19 अगस्त को खत्म हो जाएगा। करीब 4 महीने के बाद शहर के 5 सिनेमाघर-मल्टीप्लेक्स के बड़े पर्दे पर नई मूवी %बेल बॉटम% दर्शक देख सकेंगे। अब तक भोपाल में सिर्फ 2 सिनेमाघर खुले हुए हैं। जहां पुरानी फिल्में ही लग रही है। इस

कारण 20त्न से भी कम दर्शक मूवी देखने पहुंच रहे हैं। सिनेमाघर संचालकों का कहना है कि बेल बॉटम के बाद चेहरे और फास्ट एंड फ्यूरियस-9 जैसी नई मूवी भी रिलीज होगी। इससे एक बार फिर दर्शकों का रुझान सिनेमाघर-मल्टीप्लेक्स की ओर बढ़ेगा। अप्रैल में कोरोना संक्रमण के चलते MP में कोरोना कर्फ्यू के चलते सबकुछ लॉक हो गया था। सिनेमा हॉल और मल्टीप्लेक्स भी लॉक थे, जो 15 जुलाई से अनलॉक हुए। हालांकि, नई मूवी रिलीज नहीं होने से दर्शकों की संख्या न के बराबर ही है। इस कारण 2 सिनेमाघरों में कई बार शो टाल दिए जाते हैं। 19 अगस्त से यह वीरानी छंटने वाली है और एक बार फिर सिनेमाघर-मल्टीप्लेक्स में नई मूवी लगेगी।

फिर खड़ी होगी फिल्म इंडस्ट्री

एसोसिएशन के सचिव अजीजुउद ्दीन का कहना है कि कोरोना की वजह से संचालकों की कमर टूट गई है। डेढ़ साल से सिनेमा हॉल और मल्टीप्लेक्स न के बराबर चल पाए हैं। पिछले साल अक्टूबर में अनलॉक हुए थे, लेकिन नई फिल्में नहीं आई थी। इस साल अप्रैल में सिनेमा हॉल और मल्टीप्लेक्स लॉक हो गए थे, जो 15 जुलाई से अनलॉक हुए हैं लेकिन ज्यादातर सिनेमाघर व मल्टीप्लेक्स बंद है।

दैनिक इंटीग्रेटेड ट्रेड

अर्थव्यवस्था, शिक्षा, नियोजन, उद्भव, पर्यावरण, मनोरंजन.

आपकी बात आपके साथ

श्रवण मास के शुभ अवसर 22 दिवसीय पार्थिव शिवलिंग निर्माण कार्यक्रम का हुआ समापन

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

22 दिन चले कार्यक्रम में हुए 35500 पार्थिव शिवलिंग का निर्माण और 22 दिन तक चला लगातार प्रतिदिन रुद्राभिषेक कार्यक्रम का हुआ समापन श्रवण मास के अंतिम चौथे सोमवार विशेष आयोजन जिसमें पार्थिव शिवलिंग बनाए गए रुद्राभिषेक किया गया और भगवान भोलेनाथ को छप्पन भोग का प्रसाद और यज्ञ किया गया मंशापूर्ण महादेव मंदिर शिवा पार्क फेस-2 गेट के पास सलैया मे 22 दिवसीय पार्थिव शिवलिंग का निर्माण किया जा रहा है। जिसका आयोजन भारतीय जनता पार्टी पिछड़ाजिला मंत्री और अखिल भारतवर्षीय यादव महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष श्री प्रताप सिंह यादव जी द्वारा कराया जा रहा था आयोजक प्रताप सिंह यादव ने बताया

कि भजन, कीर्तन और ओम नमः शिवाय का जाप कर श्रद्धालु और स्थानीय रहवासी बडी संख्या में पार्थिव शिवलिंगो का निर्माण कर रहे है। यादव ने बताया कि 22 दिनो मे उन्होने 35500 हजार शिवलिंग बनाने बनाए गए शिवलिंग के निर्माण का कार्य मंदिर परिसर में प्रतिदिन सुबह 6=30 बजे से 8=30 बजे तक चलता है। इसके बाद भगवान शिव का रूद्राभिषेक सुबह 8=30 से 10=00 बजे तक चलता है।पार्थिव शिवलिंगो का निर्माण पूज्य गुरुजी आचार्य जितेन्द्र शास्त्री, पंडित नितेश शर्मा, पंडित सत्यम मिश्र जी के मार्गदर्शन मे हो रहा है। आयोजन के 22वे दिन 2590 पार्थिव शिवलिंग निर्माण कराये गये। इसके बाद प्रतिदिन एक पौधा लगाया जा रहा है आज अशोक का पेड़ लगाया गया अब तक 22 से अधिक पेड़ लग चुके हैं कार्यक्रम में भाजपा नेता प्रताप सिंह यादव, शिव कुमार यादव, उमा यादव, श्रीमती अश्वनी नीलम भाटिया, प्रेमलता शर्मा, रीता गुप्ता, मोहन गुप्ता, रंजना वर्मा, श्रीमती दिनेश अंबिका नामदेव, मधुलिका शर्मा, राकेश मीणा रहवासी एवं श्रद्धालु शामिल हुए।

स्वतंत्रता दिवस की 75 वीं वर्ष गांठ उत्साह के साथ संपन्न

भोपाल। सरोजिनी नायडू शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में स्वतंत्रता दिवस की 75 वीं वर्ष गांठ उत्साह के साथ संपंन्न हुई। स्वतंत्रता दिवस समारोह में महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा देश भक्ति गीतो की प्रस्तुत दी गई। अपने उद्बोधन में महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. प्रतिभा सिंह द्वारा स्वतंत्रता संग्राम में शहीद हुए सेनानियों के स्मरण के साथ ही ओलम्पिक में देश के लिए पदक लाने वाले खिलाडियो को बधाई दी गई साथ ही स्वामी विवेकानंद के आदर्शो को अपने जीवन में उतारकर कर्तव्य पालन हेतु प्रेरित किया।

न्यूज ब्रीफ

अवकाश दिनों में बिजली बिल भुगतान केन्द्र खुलेंगे

भोपाल। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के कार्यक्षेत्र के अंतर्गत 20 अगस्त (मोहर्रम), 21 एवं 28 अगस्त (शनिवार), 22 एवं 29 अगस्त (रविवार) तथा 30 अगस्त (जन्माष्टमी) को बिल भुगतान केन्द्र सामान्य कार्य दिवसों की तरह कार्य करते रहेंगे। भोपाल शहर वृत्त के अंतर्गत चारों शहर संभाग यथा पश्चिम, पूर्व, दक्षिण तथा उत्तर संभाग के अंतर्गत सभी जोनल कार्यालय और दानिश नगर, मिसरोद, मण्डीदीप में बिल भुगतान केन्द्र उक्त छुट्टी के दिन भी सामान्य कार्य दिवस की तरह खुले रहेंगे। बिजली उपभोक्ताओं से अपील है कि वे राजधानी के जोनल आफिस में कैश काउंटरों पर बिल भुगतान और भोपाल शहर में विभिन्न स्थानों पर स्थापित ए.टी.पी. मशीन में भी बिल भुगतान कर सकते हैं। इसके अलावा बिलों के भुगतान की सुविधा एम.पी.ऑनलाईन, कॉमन सर्विस सेन्टर, कंपनी पोर्टल portal.mpcz.in (नेट बैंकिंग, क्रेडिट/डेबिट कार्ड, यूपीआई, ईसीएस, बीबीपीएस, कैश कार्ड एवं वॉलेट आदि) फोन पे, अमेजान पे, गूगल पे, पेटीएम एप एवं उपाय मोबाइल एप के माध्यम से बिल भुगतान की सुविधा उपलब्ध है। कंपनी ने यह भी निर्देश दिए हैं कि कंपनी कार्यक्षेत्र के सभी 16 जिलों में बिजली वितरण केन्द्र/बिल भुगतान केन्द्र अवकाश के दिनों में खुले रहेंगे। इसके लिए सभी मैदानी महाप्रबंधकों को निर्देशित किया गया है।

19 अगस्त के स्थान पर 20 अगस्त को होगा मोहर्रम अवकाश

भोपाल। सामान्य प्रशासन विभाग ने शुक्रवार 20 अगस्त 2021 को मोहर्रम के उपलक्ष्य में सार्वजनिक व सामान्य अवकाश घोषित करने के आदेश जारी कर दिए हैं। पूर्व में घोषित 19 अगस्त 2021 के अवकाश को निरस्त किया गया है। मुख्यमंत्री श्री चौहान से इस संबंध में मुस्लिम समुदाय द्वारा हाल ही में अनुरोध किया गया था कि यह अवकाश 20 अगस्त को किया जाए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने अनुरोध स्वीकार करते हुए इस संबंध में आवश्यक आदेश जारी करने के निर्देश दिए।

राज्यपाल ने प्रदेश के जी आई टैग उत्पादों पर जारी किया डाक विभाग का विशेष आवरण

लोकल के लिए वोकल होकर कर सकते है राष्ट्र निर्माण : पटेल

» राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने आज राजभवन में मध्यप्रदेश के जी.आई. टैग उत्पादों पर डाक विभाग का विशेष आवरण जारी किया।

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि हमें देश के लिए जीना है। देश के लिए काम करना है। इस भावना के साथ किये गये छोटे-छोटे प्रयास भी बड़े नतीजे ला सकते हैं। उन्होंने कहा कि रोज-मर्रा के कामकाज करते हुए भी हम राष्ट्र का निर्माण कर सकते हैं। हम लोकल के लिए वोकल होकर, देश के स्थानीय उत्पादों का उपयोग करके, मज़बूत आत्म-निर्भर राष्ट्र का निर्माण कर सकते है। उन्होंने मध्यप्रदेश के जी.आई.

टैग (भौगोलिक उपदर्शन) उत्पादों पर डाक विभाग द्वारा विशेष आवरण जारी करने के लिए बधाई दी और सराहना की।

राज्यपाल श्री पटेल को पोस्टमास्टर जनरल मध्यप्रदेश परिमंडल श्री जितेन्द्र गुप्ता ने बताया कि पारपंरिक भारतीय उद्योगों के उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए केन्द्र सरकार द्वारा जी.आई. टैग का विशिष्ट संकेत दिया गया है। यह उन उत्पादों के लिए दिया जाता है, जिनका एक विशिष्ट भौगोलिक गुण होता है। इस श्रंखला में मध्यप्रदेश के तीन उत्पादों को, इंदौर के चमड़े के खिलौने, रतलामी सेव और झाबुआ के कालामुर्गा कड़कनाथ को जी.आई. टैग मिला है। इन पर डाक विभाग द्वारा विशेष आवरण जारी किया गया है। उन्होंने बताया कि विभाग द्वारा किसी विशेष घटना, अवसर और आयोजन को चिर स्मरणीय बनाने के लिए विशेष आवरण अथवा डाक टिकट जारी किए जाते है। विशेष आवरण को देश के प्रत्येक कोने तक प्रचार के लिए भेजा जाता हैं। उन्होंने तीन विशेष आवरण की संक्षिप्त जानकारी दी। इस अवसर पर प्रवर अधीक्षक डाकघर, भोपाल श्री सागर निलेश शाह, सहायक निदेशक, व्यवसाय विकास श्री चन्द्रेश जैन, सहायक निदेशक, डाक जीवन बीमा श्री अभिषेक चौबे और सहायक अधीक्षक डाकघर, व्यवसाय विकास श्री जितेन्द्र सोलंकी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री चौहान ने स्व. श्री मदनलाल ढींगरा की पुण्य तिथि पर नमन किया

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान आज स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. श्री मदनलाल ढींगरा की पुण्यतिथि पर उन्हें नमन किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने निवास पर स्व. श्री ढींगरा के चित्र पर माल्यार्पण किया। उनकी धर्मपत्नी श्रीमती साधना सिंह ने भी पुष्पांजलि अर्पित की। स्वतंत्रता सेनानी मदनलाल ढींगरा का जन्म 18 सितंबर, 1883 को पंजाब प्रांत में हुआ था। वे 1906 में उच्च शिक्षा के लिए इंग्लैंड गए। लंदन में ढींगरा प्रख्यात राष्ट्रवादी विनायक दामोदर सावरकर एवं श्यामजी कृष्ण वर्मा के संपर्क में आए। वहाँ के सभी देशभक ?त, खुदीराम बोस, कन्हाई लाल दत्त, सतिंदर पाल और काशी राम जैसे क्रांतिकारियों को मृत्युदंड दिए जाने से क्रोधित थे। परिणाम स्वरूप इंडियन नेशनल एसोसिएशन के वार्षिक उत्सव में मदनलाल ढींगरा ने सर विलियम हट कर्जन वायली पर गोलियाँ दाग दीं। जुलाई, 1909 को मदनलाल ढींगरा के केस की सुनवाई के बाद 17 अगस्त, 1909 को ब्रिटिश सरकार द्वारा उन्हें फाँसी दे दी गई।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने रोपा नारियल का पौधा

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज निवास परिसर में नारियल का पौधा लगाया। उनकी धर्मपत्नी श्रीमती साधना सिंह भी साथ थीं। मुख्यमंत्री श्री चौहान अपने संकल्प के क्रम में प्रतिदिन पौध रोपण करते हैं। नारियल को भारतीय संस्कृति में शुभ और मंगलकारी माना गया है। नारियल को संस्कृत में श्रीफल औरय नारियल के वृक्ष को कल्पवृक्ष कहा जाता है। नारियल तथा नारियल का तेल स्वास्थ्य की दृष्टि से बहुत उपयोगी माना गया है।

ग्लोबल स्किल्स पार्क सिटी कैंपस भोपाल में प्रशिक्षण पुनः प्रारंभ

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

ग्लोबल स्किल्स पार्क सिटी कैंपस भोपाल में संचालित एडवांस सर्टिफिकेट इन प्रिसिजन इंजीनियरिंग एक वर्षीय सर्टिफिकेशन कोर्स में प्रशिक्षण शासन द्वारा कोरोना गाइडलाइन का पालन करते हुए पुनः प्रारंभ कर दिया गया है। लॉकडाउन के पश्चात प्रशिक्षण पुन= प्रारंभ होने से प्रशिक्षणार्थी में उत्साह देखने को मिला है। मध्यप्रदेश शासन द्वारा संचालित यह कोर्स जिसकी संबद्धता ITEES सिंगापुर के साथ है, एक प्रायोगिक कोर्स है जिसमें उद्योगों में प्रयोग होने वाली एडवांस ष्ट्हष्ट मशीन में विद्यार्थियों को प्रशिक्षण दिया जाता है जिससे वे अपने कौशल को निखार कर रोजगारउन्मुख बन सकें। इस कोर्स में प्रवेश के लिए आईटीआई (टर्नर/फिटर/मशीनिशट/ मशीनिशट ग्राइंडर /मेकेनिक टूल मेंटीनेंस) अथवा बी.ई./बी. टेक/डिप्लोमा (मेकेनिकल/इंडस्ट्रियल/प्रोडक्शन) के युवा पात्र होगे। ग्लोबल स्किल्स पार्क सिटी कैंपस भोपाल में प्रवेश प्रक्रिया जुलाई 2021 बैच प्रारंभ है।

न्यूज ब्रीफ

टाटा स्टील आरआईएनएल के अधिग्रहण की इच्छुक

नई दिल्ली। घरेलू इस्पात कंपनी टाटा स्टील के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक टी वी नरेंद्रन ने कहा कि उनकी कंपनी सार्वजनिक क्षेत्र की राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आरआईएनएल) के अधिग्रहण की इच्छुक है। इस्पात मंत्रालय के तहत आने वाली आरआईएनएल आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में स्थित है और 73 लाख टन क्षमता वाले संयंत्र का संचालन करती है। इसे भारत का पहला तटीय एकीकृत इस्पात संयंत्र होने का गौरव हासिल है। आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) ने 27 जनवरी को आरआईएनएल में सरकार की पूरी हिस्सेदारी के विनिवेश को अपनी सैद्धांतिक मंजूरी दी थी। आरआईएनएल को विशाखापत्तनम इस्पात संयंत्र या विजाग स्टील भी कहा जाता है। आरआईएनएल के अधिग्रहण में टाटा स्टील की दिलचस्पी के बारे में पूछने पर नरेंद्रन ने हां में जवाब दिया। उन्होंने पीटीआई-भाषा से कहा, ''हां! अधिग्रहण के जरिए वृद्धि के साथ ही यह इसलिए भी एक बड़ा अवसर है, क्योंकि यह पूर्व में भी है और दक्षिण में भी है... यह एक तटीय संयंत्र है, इसलिए इसके कई फायदे हैं।''

न्यूबर्ग डायग्नोस्टिक्स ने एम एस धोनी को वैश्विक ब्रांड एंबेसडर बनाया

नई दिल्ली। न्यूबर्ग डायग्नोस्टिक्स ने मंगलवार को कहा कि उसने कंपनी के स्वास्थ्य अभियान के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए क्रिकेट खिलाड़ी एम एस धोनी को अपना ब्रांड एंबेसडर बनाया है। न्यूबर्ग डायग्नोस्टिक्स के वर्तमान में चार देशों में 120 से अधिक लैब और करीब 1,000 संपर्क केंद्र हैं। न्यूबर्ग डायग्नोस्टिक्स के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक जी एस के वेलू ने एक बयान में कहा, ''अच्छे स्वास्थ्य और फिटनेस को बनाए रखने के लिए धोनी की प्रतिबद्धता हमारे मिशन के अनुरूप है और यह लोगों को अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने की याद दिलाएगी।''

एफडी पर ज्यादा ब्याज : एचडीएफसी लिमिटेड ने लॉन्च किया ग्रीन और सस्टेनेबल डिपॉजिट, 6.55 फीसदी मिलेगा ब्याज

» इस डिपॉजिट को ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिए भी किया जा सकता है

» 19,665 करोड़ रुपए ग्रीन बिल्डिंग प्रोजेक्ट के लिए कर्ज दिया गया है

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

देश की लीडिंग नॉन बैंकिंग फाइनेंस कंपनी एचडीएफसी लिमिटेड ने ग्रीन एंड सस्टेनेबल डिपॉजिट स्कीम लॉन्च की है। इसका उद्देश्य जलवायु परिवर्तन से पर्यावरण की सुरक्षा करना है। इस डिपॉजिट पर 6.55 फीसदी का सालाना ब्याज मिलेगा। इस डिपॉजिट को ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिए भी किया जा सकता है।

ग्रीन बिल्डिंग के फाइनेंस में उपयोग होगा पैसा:- हाउसिंग फाइनेंस डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (एचडीएफसी) लिमिटेड ने यह जानकारी दी। एक प्रेस रिलीज में कंपनी ने कहा कि इस फिक्स्ड डिपॉजिट का उपयोग ग्रीन और सस्टेनेबल हाउसिंग क्रेडिट सोल्यूशंस और सर्विसेस को फाइनेंस के लिए किया जाएगा। कंपनी ने कहा कि इस डिपॉजिट में इंडिविजुअल भारतीय और NRI पैसा जमा कर सकते हैं।

36 से 120 महीने का समय होगा

कंपनी ने कहा कि इसका समय 36 से 120 महीने का होगा। 2 करोड़ रुपए के डिपॉजिट तक 6.55 फीसदी का ब्याज मिलेगा। वरिष्ठ नागरिकों के लिए 6.80 फीसदी का ब्याज मिलेगा। ऐसा डिपॉजिट जो 50 लाख रुपए तक होगा और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिए किया जाएगा, उस पर साल में 0.10 फीसदी अतिरिक्त ब्याज मिलेगा।

सस्टेनेबिलिटी का मतलब ज्यादा से ज्यादा अच्छा करना:- इस बारे में कंपनी के चेयरमैन दीपक पारेख ने कहा कि आज स्थायित्व का मतलब कम नुकसान करने के बारे में नहीं है, बल्कि ज्यादा से ज्यादा अच्छा करने के बारे में है। एचडीएफसी ग्रीन सोल्यूशंस की बढ़ती मांग को देख रही है। हमने हमारे ग्राहकों के लिए एक ग्रीन एंड सस्टेनेबल डिपॉजिट शुरू की है। यह बदलती दुनिया की जरूरतों को पूरा करने में योगदान देगी। इसके साथ ही ग्राहक अपनी संपत्ति बढ़ा सकते हैं। एचडीएफसी एक ग्रीन, टिकाऊ और कम कार्बन वाली अर्थव्यवस्था के लिए भारत के प्रयासों का समर्थन करने की दिशा में प्रतिबद्ध है।

जलवायु परिवर्तन से पर्यावरण की सुरक्षा समय की मांग:- एचडीएफसी लिमिटेड की प्रबंध निदेशक रेनू सूद कर्नाड ने कहा कि जलवायु परिवर्तन से पर्यावरण की सुरक्षा करना समय की मांग है। एचडीएफसी में हमने अपने पर्यावरण और सामाज के प्रति जिम्मेदारी को बढ़ाया है। ज्यादा से ज्यादा ग्रीन होम्स को फाइनेंस करने के लिए आगे की दिशा में हम काम कर रहे हैं।

रिस्की शेयरों में खरीदारी करते फंड हाउस

यस बैंक, अडाणी एंटरप्राइजेज और अडाणी पोर्ट के शेयर खरीदे, जोमैटो की इन्वेस्टर इंफो एज के शेयर बेचे

» यस बैंक का शेयर 6-8 महीने से 11-13 रुपए के बीच कारोबार कर रहा है

» अडाणी पोर्ट में फंड हाउसों ने 6,079 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे हैं

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

म्यूचुअल फंड हाउस इस समय जोखिम वाले शेयरों में दांव लगा रहे हैं। जुलाई के इनके आंकड़ों से पता चलता है। इन्होंने यस बैंक, अडाणी एंटरप्राइजेज और अडाणी पोर्ट के शेयरों में खरीदी की है। जबकि इसी दौरान जौमैटो की बड़ी इन्वेस्टर कंपनी इंफो एज के शेयर फंड हाउसों ने बेच दिए हैं।

यस बैंक के 155 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे

जुलाई महीने में फंड हाउसों ने यस बैंक के 155 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे हैं। पिछले 6-8 महीनों से यह शेयर 11-13 रुपए के बीच में ही कारोबार कर रहा है। यस बैंक की खस्ता हालत के कारण कई बैंकों ने मिलकर इसमें निवेश किया। हालांकि इसके शेयरों में निवेशकों को काफी नुकसान हुआ है। फंड हाउसों की खरीदारी से लग रहा है कि शेयर में आगे तेजी आ सकती है।

लार्ज कैप में एचडीएफसी लाइफ पर लगा दांव

कंपनी	वैल्यू (करोड़ रुपए)
एनएमडीसी	3,330
यस बैंक	155
अडाणी पोर्ट	6,079
एचडीएफसी लाइफ	7,143

अडाणी पोर्ट में 6,079 करोड़ के शेयर खरीदे

इसी तरह अडाणी पोर्ट में फंड हाउसों ने 6,079 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे हैं। अडाणी पोर्ट का शेयर हाल में 40 फीसदी तक टूटा है। इसी तरह अडाणी एंटरप्राइजेज में भी 1,515 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे गए हैं। यह शेयर भी 40 फीसदी से ज्यादा टूटा है। ऐसा इसलिए क्योंकि इसमें तीन विदेशी निवेशकों के निवेश पर सवाल उठा है। उनके निवेश को फ्रीज कर दिया गया है। यस बैंक और अडाणी पोर्ट दोनों लार्ज कैप के शेयर हैं।

एचडीएफसी लाइफ के 7,143 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे

लार्ज कैप में जिन शेयरों में सबसे ज्यादा खरीदारी की गई है, उसमें एचडीएफसी लाइफ के 7,143 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे गए हैं। जेएसडब्ल्यू स्टील के 4,603 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे गए हैं। जबकि हीरो मोटोकॉर्प के 3,891 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे गए हैं। एनएमडीसी के 3,330 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे गए हैं। ब्रिटानिया भी पसंदीदा शेयर रहा है। 3,671 करोड़ रुपए के इसके शेयर खरीदे गए हैं।

विप्रो के 6,037 करोड़ रुपए के शेयर बेचे गए

लार्ज कैप में जिन शेयरों को बेचा गया है उसमें विप्रो के 6,037 करोड़ रुपए के शेयर बेचे गए हैं। इंफो एज के 7,099 करोड़ रुपए के शेयर बेचे गए हैं। जोमैटो में सबसे बड़ी इन्वेस्टर यही है। जोमैटो के आईपीओ के समय इसके शेयरों में अच्छी तेजी दिखी थी। इसी कारण फंड हाउस इनमें मुनाफा वसूली कर लिए। टाटा कंज्यूमर के 5,546 करोड़ रुपए के शेयर बेचे गए जबकि ग्रासिम इंडस्ट्रीज के 4,217 करोड़ रुपए के शेयर बेचे गए हैं।

एम्प्लॉई पेंशन स्कीम

15 हजार की लिमिट हटाने को लेकर सुप्रीम कोर्ट में अब रोजाना होगी सुनवाइ

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

एम्प्लॉई पेंशन स्कीम के तहत निवेश पर लगे कैप को हटाने को लेकर सुप्रीम कोर्ट में आज से सुनवाई शुरू हो गई है। अब ये सुनवाई रोजाना आधार पर होगी। अभी अधिकतम पेंशन योग्य वेतन 15,000 रुपए प्रति महीने तक सीमित है। इस लिमिट को हटाने को लेकर मामला कोर्ट में विचाराधीन है।

क्या है पूरा मामला?

सुप्रीम कोर्ट ने 12 अगस्त को भारत संघ और कर्मचारी भविष्य निधि संगठन द्वारा दायर याचिकाओं के उस बैच की सुनवाई स्थगित कर दी थी, जिसमें कहा गया था कि कर्मचारियों की पेंशन को 15,000 रुपए तक सीमित नहीं किया जा सकता है। वहीं इससे जुड़े मामलों की सुनवाई 17 अगस्त 2021 से प्रतिदिन करने का फैसला किया था।

अभी क्या है नियम?

जब कोई कर्मचारी श्वक्क्र यानी एम्प्लॉई प्रोविडेंट फंड का सदस्य बनता है तो वह EPS का भी सदस्य बन जाता है। कर्मचारी अपने वेतन का 12 फीसदी EPF में योगदान देता है और उतनी ही राशि एम्प्लॉयर द्वारा भी दी जाती है। लेकिन, एम्प्लॉयर के योगदान में एक हिस्सा EPS में जमा किया जाता है। EPS खाते में योगदान वेतन का 8.33 फीसदी होता है। हालांकि अभी पेंशन योग्य वेतन अधिकतम 15 हजार रुपए ही माना जाता है। इससे यह पेंशन का हिस्सा अधिकतम 1250 प्रति महीना होता है।

रिलायंस में 20 फीसदी हिस्सा लेगी सऊदी अरामको!

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

सऊदी अरामको भारत में निजी क्षेत्र की प्रमुख कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज (आरआईएल) के तेल शोधन एवं रसायन कारोबार में करीब 20 फीसदी हिस्सेदारी खरीदने के लिए बातचीत कर रही है। समाचार एजेंसी ब्लूमबर्ग न्यूज ने आज एक खबर में बताया कि दोनों दिग्गज कंपनियों के बीच यह सौदा 20 से 25 अरब डॉलर में हो सकता है। ब्लूमबर्ग ने घटनाक्रम की जानकारी रखने वाले सूत्रों के हवाले से बताया कि अगले कुछ हफ्तों के भीतर दोनों पक्ष इ स सौदे पर समझौता कर सकते हैं। बताया जा रहा है कि पूरा सौदा शेयरों में होगा। इससे पहले 2019 में रिलायंस इंडस्ट्रीज ने 2019 में अपने तेल से लेकर रसायन कारोबार में 20 फीसदी हिस्सेदारी सऊदी अरामको को 15 अरब डॉलर में बेचने की घोषणा की थी। लेकिन कोरोना महामारी के कारण तेल की कीमतें जमीन पर आने और दुनिया भर में तेल की मांग घट जाने के कारण सौदा अटक गया था। इस साल जून में रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन और अरबपति उद्योगपति मुकेश अंबानी ने उम्मीद जताई थी कि सऊदी अरामको के साथ साझेदारी को इस साल के अंत तक औपचारिक जामा पहनाया जा सकता है। उन्होंने यह भी कहा था कि अरामको के चेयरमैन यासिर अल-रुमैयां स्वतंत्र निदेशक के तौर पर आरआईएल के बोर्ड का हिस्सा बन सकते हैं। हालांकि इस सौदे के बारे में अरामको से फिलहाल पुष्टि नहीं हो पाई। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने भी कोई प्रतिक्रिया देने से इनकार कर दिया। बहरहाल जानकारों का कहना है कि इस सौदे से रिलायंस की रिफाइनरी के लिए कच्चे तेल की बेरोकटोक आपूर्ति सुनिश्चित हो जाएगी।

रिलायंस में 20 फीसदी हिस्सा लेगी सऊदी अरामको!

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज मुंबई

सऊदी अरामको भारत में निजी क्षेत्र की प्रमुख कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज (आरआईएल) के तेल शोधन एवं रसायन कारोबार में करीब 20 फीसदी हिस्सेदारी खरीदने के लिए बातचीत कर रही है। समाचार एजेंसी ब्लूमबर्ग न्यूज ने आज एक खबर में बताया कि दोनों दिग्गज कंपनियों के बीच यह सौदा 20 से 25 अरब डॉलर में हो सकता है। ब्लूमबर्ग ने घटनाक्रम की जानकारी रखने वाले सूत्रों के हवाले से बताया कि अगले कुछ हफ्तों के भीतर दोनों पक्ष इस सौदे पर समझौता कर सकते हैं। बताया जा रहा है कि पूरा सौदा शेयरों में होगा। इससे पहले 2019 में रिलायंस इंडस्ट्रीज ने 2019 में अपने तेल से लेकर रसायन कारोबार में 20 फीसदी हिस्सेदारी सऊदी अरामको को 15 अरब डॉलर में बेचने की घोषणा की थी। लेकिन कोरोना महामारी के कारण तेल की कीमतें जमीन पर आने और दुनिया भर में तेल की मांग घट जाने के कारण सौदा अटक गया था। इस साल जून में रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन और

अरबपति उद्योगपति मुकेश अंबानी ने उम्मीद जताई थी कि सऊदी अरामको के साथ साझेदारी को इस साल के अंत तक औपचारिक जामा पहनाया जा सकता है। उन्होंने यह भी कहा था कि अरामको के चेयरमैन यासिर अल-रुमैयां स्वतंत्र निदेशक के तौर पर आरआईएल के बोर्ड का हिस्सा बन सकते हैं। हालांकि इस सौदे के बारे में अरामको से फिलहाल पुष्टि नहीं हो पाई। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने भी कोई प्रतिक्रिया देने से इनकार कर दिया।

देवयानी इंटरनैशनल का शानदार प्रवेश, अन्य आईपीओ में सुस्ती

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

भारत में केएफसी, पिज्जा हट और कोस्टा कॉफी की फ्रैंचाइजी देवयानी इंटरनैशनल के शेयर का सोमवार को शेयर बाजार में शानदार स्वागत हुआ। यह शेयर अपने निर्गम भाव के मुकाबले 56 प्रतिशत की तेजी के साथ 141 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। हालांकि शेयर मुनाफावसूली बढने् की वजह से अपनी बढ़त कायम रखने में विफल रहा और आखिर में अपने निर्गम भाव के मुकाबले 37 प्रतिशत की तेजी के साथ

123.35 रुपये पर बंद हुआ। इस आईपीओ को 116 गुना अभिदान मिला था। संस्थागत श्रेणी को 85 गुना, एचएनआई हिस्से को 213 गुना और रिटेल निवेशक श्रेणी को 39 गुना तक अभिदान मिला था। वहीं कृष्णा डायग्नास्टिक्स 1,025 रुपये पर खुला, जो उसके निर्गम भाव से 7.4 प्रतिशत ज्यादा है। आखिर में यह शेयर अपने निर्गम भाव से 4 प्रतिशत ऊपर बंद हुआ। साथ ही एक्सारो टाइल्स का शेयर 126 रुपये पर खुला, जो उसकी निर्गम कीमत से 5 प्रतिशत ऊपर है और आखिर में यह निर्गम भाव से 10 प्रतिशत की वृद्धि के साथ बंद हुआ। विंडलैब्स बायोटक 439 रुपये पर खुला, जो उसके निर्गम भाव से 5 प्रतिशत नीचे है और यह 406.7 रुपये पर बंद हुआ। सभी चारों आईपीओ को निवेशकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली और कृष्णा डायग्नोस्टिक्स, एक्सारो टाइल्स और विंडलैस बायोटेक को 64.3 गुना, 22.5 गुना और 22.4 गुना अभिदान मिला। चारों आईपीओ ने संयुक्त रूप से 1.7 लाख करोड़ रुपये के आवेदन आकर्षित किए थे और 1 करोड़ से ज्यादा रिटेल आवेदन थे जिससे इनके प्रबंधन से जुड़ी बैंकिंग व्यवस्था पर दबाव पड़ गया। बाजार कारोबारियों का कहना है कि कई बैंकों को एक साथ बड़ी तादाद में मिले आवेदनों की प्रक्रिया पूरी करने में कठिनाई का सामना करना पड़ा।

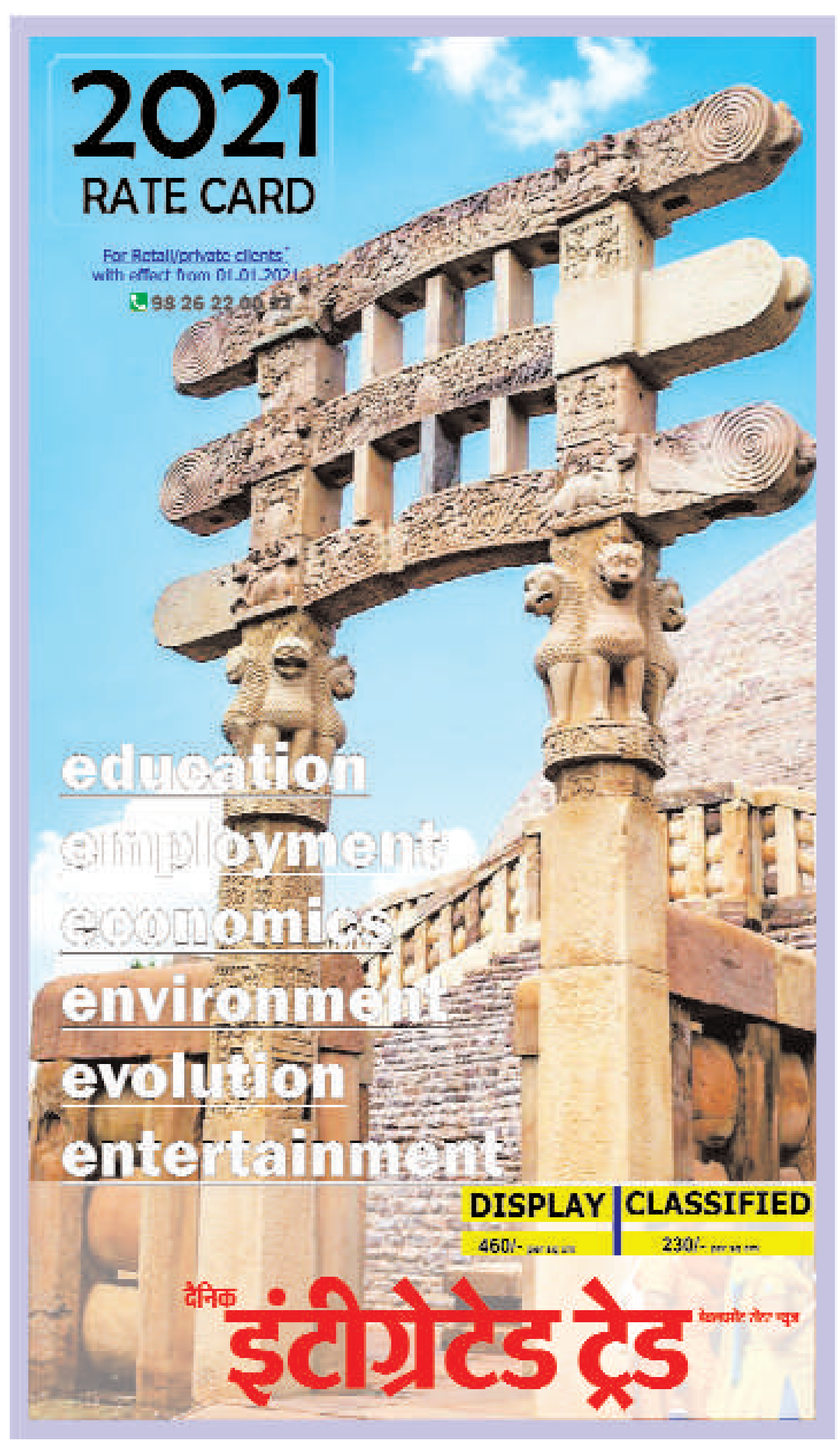

अफगानी अवाम की बड़ी शिकस्त

दिनकर पी श्रीवास्तव

अफगानिस्तान में तालिबान द्वारा बलपूर्वक सत्ता परिवर्तन विश्व समुदाय के लिए शुभ नहीं है। तालिबान ने अब तक न अपनी विचारधारा बदलने का संकेत दिया है, और न अफगानिस्तान के संविधान को स्वीकार किया है। अल-कायदा जैसे आतंकी संगठनों के खिलाफ भी उसने कोई सार्वजनिक बयान नहीं दिया है। उसमें अगर अंदरूनी तौर पर थोड़ा-बहुत परिवर्तन हुआ भी हो, तो वह अब तक जाहिर नहीं हुआ है। इसका अर्थ है कि न तो उसकी कार्यशैली बदली है और न ही वैचारिक रूप से वह बदला है। कट्टरता अब भी उसकी सोच का मूल है। ताजा घटनाक्रम को हमें पाकिस्तान से जोड़कर भी देखना होगा। तालिबान का इतनी तेजी से बढ़ना संभव नहीं होता, यदि उसको इस्लामाबाद से सामरिक मदद नहीं मिलती। अमेरिका के ज्वॉइंट चीफ ऑफ स्टाफ के पूर्व प्रमुख एडमिरल माइक मुलेन ने काफी पहले कहा था कि हक्कानी नेटवर्क एक तरह से पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई का ही अंग है। यही वह संगठन है, जो अफगानिस्तान में भारतीय हितों पर चोट करता रहता है और तालिबान इसी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। जाहिर है, तालिबान के पांव जमा लेने से हिन्दुस्तान पर खतरा बढ़ गया है। पिछली सदी के 90 के दशक में अफगानिस्तान में जब युद्ध का अंत हुआ था, उसके बाद से ही कश्मीर में दहशतगर्दी शुरू हुई थी। पाकिस्तान अपने मुजाहिदीन को अफगानिस्तान से कश्मीर ले आया था। यह आशंका फिर से सिर उठाने लगी है। वैसे, तालिबान से सबसे अधिक खतरा खुद पाकिस्तान को है। इस घटनाक्रम से तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) को बल मिलेगा, जिससे पाकिस्तान के तालिबानीकरण का अंदेशा है। अफगानिस्तान छोटा सा मुल्क है, मगर पाकिस्तान परमाणु हथियारों से लैस। ऐसे में, यदि पाकिस्तान में तालिबान का प्रभाव बढ़ा, तो दुनिया के तमाम अमनपसंद राष्ट्र मुश्किल में आ सकते हैं। पिछले दशक में ऐसी कई घटनाएं हुई हैं, जिनमें तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान की संलिप्तता देखी गई है। उसके निशाने पर न सिर्फ आम नागरिक रहे हैं, बल्कि उसने पाकिस्तानी फौज के अति-सुरक्षित ठिकानों पर भी हमले किए हैं। मई, 2011 में मेहरान नेवल बेस और अगस्त, 2012 में कामरा एयर बेस पर हमला इसका बड़ा उदाहरण है। पाकिस्तान भले दुनिया को यह कहकर भ्रम में रखना चाहता हो कि तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान और अफगान तालिबान में कोई संबंध नहीं है और अफगान तालिबान 'अच्छे' हैं, लेकिन असलियत में इन दोनों गुटों में कोई मतभेद नहीं है। अफगानिस्तान पर तालिबान के नियंत्रण के दुष्परिणाम पूरे मध्य एशिया में दिख सकते हैं। तुर्किस्तान के ईस्ट तुर्किस्तान इस्लामिक मूवमेंट (ईटीआईएम), उज्बेकिस्तान के इस्लामिक मूवमेंट ऑफ उज्बेकिस्तान (आईएमयू), ताजिकिस्तान में ताजिक तालिबान कहे जाने वाले जमात अंसारुल्लाह जैसे तमाम आतंकी गुटों के साथ तालिबान के रिश्ते जगजाहिर हैं। पड़ोसी देशों में काम कर रहे ये संगठन अब और मुखर हो सकते हैं। मगर पूरे घटनाक्रम का सबसे ज्यादा असर अमेरिका की बाइडन सरकार की विदेशी नीति की विश्वसनीयता पर पड़ा है। अपना मुंह छिपाने के लिए वह लाख बहाने बनाए, लेकिन सच यही है कि अफगानिस्तान में अमेरिका को करारी हार मिली है। 11 सितंबर, 2001 को 'ट्विन टावर' पर हमले के बाद से अफगानिस्तान में अमेरिका ने सैन्य दखल शुरू किया था। यहीं से अफगानिस्तान में एक सांविधानिक और लोकतांत्रिक परंपरा की शुरुआत हुई। इस प्रक्रिया को दोहा समझौता से झटका मिला, जब अमेरिका ने तालिबान से समझौता सिर्फ इसलिए किया कि अमेरिकी फौजें सुरक्षित बाहर निकल जाएं और तालिबान आतंकवादियों को पनाह नहीं दे। इस कवायद में अफगानिस्तान के भविष्य को अधर में छोड़ दिया गया। साफ है, अफगानिस्तान, उसकी जनता और उसके सभ्य समाज को सबसे बड़ी हार मिली है। उन्होंने बड़े ही मुश्किल व चुनौतीपूर्ण समय में लोकतंत्र का समर्थन किया था और मानवाधिकारों को बहाल करने की तरफ बढ़े थे। सवाल यह है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय को अब क्या करना चाहिए? चूंकि खून-खराबा इस मसले का समाधान नहीं है, इसलिए बातचीत की मेज से ही रास्ता निकालने का प्रयास किया जाना चाहिए। विश्व समुदाय को देखना होगा कि अंतरराष्ट्रीय कायदे-कानूनों के प्रति जो प्रतिबद्धता तालिबान ने जताई है, क्या वह उस पर खरा उतर रहा है? तालिबान को यह भी साफ करना होगा कि वह किसी बाहरी ताकत के प्रभाव में आकर काम नहीं कर रहा। यह संयुक्त राष्ट्र अथवा अन्य अंतरराष्ट्रीय संगठनों की सदस्यता हासिल करने की एक अनिवार्य शर्त है। यह मुद्दा जल्द उठेगा, क्योंकि सितंबर में संयुक्त राष्ट्र आमसभा की बैठक होने वाली है। इसमें तालिबान यह उम्मीद नहीं पाल सकता कि उसे स्वत: अफगानिस्तान की सीट हासिल हो जाएगी।

संपादकीय

मजबूत राहुल, कमजोर राहुल

- शकील अख्तर

नेता ऐसा ही होता है। जो अपने उसूलों के लिए अड़ जाए। कांग्रेसियों को अगर इस समय इन्दिरा गांधी याद आ रहीं हैं तो ठीक याद आ रही हैं। मगर कांग्रेसियों को यह बात समझना चाहिए की उस समय जब इन्दिरा गांधी ने अपने साहस का सबसे पहली बार प्रदर्शन किया था तो वे प्रधानमंत्री थीं। राहुल विपक्ष में और बिना किसी पद पर रहते हुए यह कर रहे हैं। यहां फिर कह दें कि तुलना का कोई सवाल नहीं बस कांग्रेसियों को यह बताना है। फिलहाल हम देश की बात करके किसी विवाद में पड़ना नहीं चाहते, मगर कांग्रेस में इससे पहले कौन नेता इस तरह डटा है? समस्या इन दिनों कांग्रेस की ही है इसलिए जवाब कांग्रेसियों को ही देना चाहिए कि उन्होंने राहुल से पहले अपने किस नेता को इस तरह उसूल के लिए, दलित बच्ची को न्याय दिलाने के लिए अड़ते हुए देखा? ट्वीटर जिस पर सरकार का वरदहस्त था को आखिर राहुल गांधी और उनके साथ बाकी कांग्रेस के नेताओं और ईकाइयों के ट्वीटर पर लगाए बैन को हटाना पड़ा। और इसमें खास बात यह कि दिल्ली नांगल की जिस 9 साल की दलित बच्ची और उसके डरे हुए परिवार के समर्थन में जो ट्वीट राहुल ने किए थे उन्हें हटाने से इंकार करने के बावजूद। नेता ऐसा ही होता है।

जो अपने उसूलों के लिए अड़ जाए। कांग्रेसियों को अगर इस समय इन्दिरा गांधी याद आ रहीं हैं तो ठीक याद आ रही हैं। मगर कांग्रेसियों को यह बात समझना चाहिए की उस समय जब इन्दिरा गांधी ने अपने साहस का सबसे पहली बार प्रदर्शन किया था तो वे प्रधानमंत्री थीं। राहुल विपक्ष में और बिना किसी पद पर रहते हुए यह कर रहे हैं। यहां फिर कह दें कि तुलना का कोई सवाल नहीं बस कांग्रेसियों को यह बताना है कि उनका साथ नहीं देने और जी 23 जैसी खुले विरोध के बावजूद राहुल अपनी राह पर बेखौफ चले जा रहे हैं। ऐसा नेता किसी भी पार्टी के लिए सौभाग्य की बात होता है। मगर भारत में सबसे चालाक जमात जो कांग्रेसियों की है वह इस बात को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं है। पहली बार कांग्रेसियों को ऐसा लग रहा है कि कोई उनकी सारी कलाकारियों के बाद भी उन्हें दूर रख सकता है। कलाकारियों को योग्यता और ताकत मानने से इंकार कर सकता है। कांग्रेस के नेता शीर्ष पर ऐसा लीडर चाहते हैं जो उन पर निर्भर हो। राजीव गांधी और उनके बाद 22- 23 साल तक सोनिया गांधी ने भी कांग्रेस के कुछ नेताओं पर जरूरत से ज्यादा भरोसा किया। और नतीजा सबको मालूम है कि राजीव के साथ विश्वासघात करने से लेकर सोनिया तक को जबर्दस्ती दोबारा अध्यक्ष बनाने और फिर उनकी बीमारी, अस्पताल में भर्ती होने के समय ही गुट बनाकर उन्हें पत्र लिखने और जवाब मांगने वाले भी वहीं लोग थे जिन्होंने सोनिया से सबसे ज्यादा फायदा उठाया। सबको मालूम है कि उस समय सोनिया तो क्या परिवार का कोई सदस्य अध्यक्ष बनना नहीं चाहता था। कांग्रेस के नेताओं ने परिवार के बाहर का अध्यक्ष बनाने की पूरी कोशिश की। अध्यक्ष चुनने के लिए एक प्रक्रिया चलाई। मगर जितने जोगी उतने मठ की तर्ज वह तो एक बड़ा अध्यक्ष मंडल बनने लगा। हारकर अंतिम क्षणों में सब सोनिया के पास गए और उन्हें कांग्रेस का वास्ता देकर मनाया। मगर उन्हीं लोगों ने एक साल के अंदर उनके खिलाफ साजिशें शुरु कर दीं। पत्र पर हस्ताक्षर तो 23 लोगों के थे, मगर इसके पीछे और भी बड़े नेता थे। कभी वे नाम भी सामने आएंगे और इन 23 में से ही कोई बताएगा कि उसने किस के कहने से दस्तखत किए। और एक की आत्मा जागने के बाद कई लोगों की आत्माएं जागने में ज्यादा समय नहीं लगेगा। अभी कपिल सिब्बल के यहां जी 23 वाले कांग्रेस के नेता और दूसरे विपक्ष के नेता इकट्ठा हुए। वकील साहब का बर्थ डे मनाया गया। बर्थ डे मनाने में कोई बुराई नहीं। राहुल, सोनिया, प्रियंका कोई नहीं थे इसमें भी कोई बुराई नहीं। बुराई सिर्फ वहां है जहां उस गांधी-नेहरू परिवार की आलोचना सुनकर भी उन नेताओं ने कुछ नहीं कहा जिन्होंने परिवार की वजह से ही राजनीति में सब कुछ पाया है। दस साल यूपीए के शासन में मंत्री रहने, संगठन में महत्वपूर्ण पदों पर रहने, भरपूर मान-सम्मान पाने वाले इन लोगों को लगता है कि यह सब उनका अधिकार था। इनमें से ही एक जितिन प्रसाद अभी दो महीने पहले भाजपा में चले गए। जाने के बाद से उनका किसी ने नाम सुना हो तो जरा बता दे। उत्तर प्रदेश में चुनाव है। हर छोटे बड़े नेता की पूछ हो रही है। लेकिन कांग्रेस में राहुल और प्रियंका से बराबरी से बात करने वाले जितिन को वहां कोई नहीं पूछ रहा। राहुल ने उसके बाद एक कार्यक्रम में मैसेज तो दिया कि जो डर रहे हैं वे चले जाएं। कांग्रेस में संघ के लोगों और डरने वालों की कोई जरूरत नहीं है। मगर यह संदेश उतने जोरदार तरीके से नहीं दिया गया जितना दिया जाना चाहिए था। अभी राहुल का ट्वीटर बंद करने के बाद भी कांग्रेस के कई नेताओं ने इसके विरोध में कोई आवाज नहीं उठाई।

अफगान संकट सुलझाने में भारत निभाए सष्ठिंय भूमिका!

वैसे भी हाल के वर्षों में मोदी की अगुवाई में विश्व का नेतृत्व करने की हसरत और अपेक्षाएं भारत के लोगों में हिलोरें मार रही हैं। विश्वगुरु के तौर पर हो या सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था अथवा बतौर उभरती वैश्विक शक्ति के, प्रधानमंत्री को चाहिये कि वे इस मामले में सक्रिय भूमिका निभायें। दुनिया में जहां कहीं भी मानवता खतरे में पड़ी हो, भारत हमेशा से अपनी आवाज बुलंद करता रहा है तथा पीड़ितों के लिए सहायता का हाथ बढ़ाता रहा है। फिर, लोकतंत्र का हिमायती होने के नाते यह उसका वैश्विक कर्तव्य भी है। इस परम्परा का निर्वाह भारत को करना ही चाहिये।

लम्बे समय तक निर्वाचित सरकार के शासन के पश्चात अफगानिस्तान पर तालिबानियों का कब्जा होना एक बार फिर से दुनिया भर के लिए चिंता का सबब बन गया है। सारे देशों को मिलकर वहां तत्काल लोकतंत्र की बहाली के लिए ठोस कदम उठाने होंगे। ऐसा करते वक्त यह ख्याल रखना होगा कि ऐसा बगैर किसी महाशक्ति के अनावश्यक हस्तक्षेप के हो और वहां फिर से कोई अकेला देश अपनी स्थायी सैन्य तैनाती न करे। वैसे तो वहां के राष्ट्रपति अशरफ गनी ने देश छोड़ दिया है लेकिन लाखों मासूमों, बच्चों एवं बुजुर्गों को जान-माल का खतरा बना हुआ है क्योंकि तालिबानी अपनी नृशंसता और कट्टरता के लिए जाने जाते हैं। वहां लोकतंत्र को लौटाने में सभी का सहयोग तो हो ही, खासकर भारत को इस मामले में आगे बढ़कर सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए।

इस मसले पर विचार करते समय कुछ बातों पर गौर करना होगा ताकि इस बात की ज़रूरत स्पष्ट हो सके कि आखिर भारत का इस समस्या से क्या रिश्ता है और वहां लोकतंत्र की बहाली हमारे देश के लिए क्यों जरूरी है। पहली बात तो यह है कि अफगानिस्तान से भारत के ऐतिहासिक व सांस्कृतिक संबंध रहे हैं। वहां बौद्ध धर्म की मौजूदगी और उसका लम्बे समय तक प्रभाव रहा है। अविभाजित भारत के समय वह हमारा प्रत्यक्ष पड़ोसी रहा है। आज भी वहां के लोगों एवं भारतीय नागरिकों के बीच निजी, सामूहिक, सांस्कृतिक एवं व्यापारिक संबंध हैं। भारत का वहां बड़ा निवेश है जिसके चलते भी हमारी अफगानिस्तान को लेकर चिंता करना जायज होगा।

अब भी भारत सार्क देशों में सबसे बड़े भाई की तरह ही देखा जाता है, बावजूद इसके कि उसने हाल के वर्षों में अपनी गुटनिरपेक्षता की नीति का स्वयं ही परित्याग कर दिया है। अब वह सत्ताधीशों की शस्त्रीकरण की लालसा और चंद उद्योगपतियों को लाभ पहुंचाने के लालच में बड़े देशों का पिछलग्गू बन गया है। नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत की साख आंतरिक और बाह्य दोनों ही स्तरों पर गिरी है। इसके बावजूद उसके पड़ोस में हो रहे इस तरह के घटनाक्रम और ऐसे मामलों में जहां उसके हितों एवं लोकतंत्र को समग्र रूप से खतरा हो, उसकी नैतिक दखलंदाजी वांछनीय व अपेक्षित है। इतना ही नहीं, इस समय तो वह संयुक्त राष्ट्र की सुरक्षा परिषद का अध्यक्ष भी है। ऐसे में उसे अपने रूतबे का इस्तेमाल करना होगा। अंतरराष्ट्रीय बिरादरी के प्रति उसका यह उत्तरदायित्व भी है।

वैसे भी हाल के वर्षों में मोदी की अगुवाई में विश्व का नेतृत्व करने की हसरत और अपेक्षाएं भारत के लोगों में हिलोरें मार रही हैं। विश्वगुरु के तौर पर हो या सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था अथवा बतौर उभरती वैश्विक शक्ति के, प्रधानमंत्री को चाहिये कि वे इस मामले में सक्रिय भूमिका निभायें। दुनिया में जहां कहीं भी मानवता खतरे में पड़ी हो, भारत हमेशा से अपनी आवाज बुलंद करता रहा है तथा पीड़ितों के लिए सहायता का हाथ बढ़ाता रहा है। फिर, लोकतंत्र का हिमायती होने के नाते यह उसका वैश्विक कर्तव्य भी है। इस परम्परा का निर्वाह भारत को करना ही चाहिये।

भारत सहित विश्व समुदाय को चिंतित होना स्वाभाविक है क्योंकि इस बात की आशंका है कि सत्ता पर पूरी तरह से काबिज होने के बाद तालिबानी निर्दोषों, कमजोरों, महिलाओं, बच्चों पर कहर ढा सकते हैं। उनका रिकार्ड इस मामले में बेहद खराब है। तालिबान अपने महिला एवं शिक्षा विरोधी विचारों के लिए जाना जाता है। औरतों पर कई तरह के प्रतिबंध लगाए जाएंगे और आधुनिक तालीम देने वाले स्कूल-कॉलेजों को बंद कर दिया जायेगा। छोटे बच्चों और किशोरों को तालिबानी और जेहादी बनाये जाने की रुक चुकी परम्परा फिर से प्रारम्भ हो सकती है। सच तो यह है कि उस देश में लोकतंत्र के साथ समग्र मानवीयता एवं मानवाधिकार भीषण खतरे में हैं। अमेरिकी हस्तक्षेप और उसकी सेना की मदद से अफगानिस्तान में तालिबानी पिछले कुछ समय से ठंडे पड़े हुए थे, पर अब उनकी वापसी पहले के मुकाबले अधिक घातक व संहारक हो सकती है। इसी आशंका के चलते वहां से लोगों का पलायन प्रारंभ हो चुका है।

सवाल यह है कि क्या भारत ऐसा कर पायेगा या मूकदर्शक की तरह वह इस घटनाक्रम को देखता रहेगा? इस संदेह का कारण यह है कि भारतीय नेतृत्व का अंतरराष्ट्रीय पटल पर कूटनीटिक दबदबा कम हुआ है, क्योंकि वह स्वयं आंतरिक तौर पर तालिबानी प्रवृत्तियों के पोषक संस्थान के रूप में उभरा है। देश में भी एक तरह से आधुनिकता, वैज्ञानिकता, समानता, बंधुत्व के सिद्धांतों को निरुत्साहित किया जा रहा है। तालिबान चाहे एक संगठन हो लेकिन अब वह एक प्रवृत्ति और मुहावरे के रूप में भी स्थापित हो चुका है। जिन देशों में यह कट्टरपंथ उभर रहा है, उनमें दुर्भाग्य से भारत का नाम भी काफी ऊपर है। ऐसे में देखना होगा कि भारत अफगानी संकट पर कुछ बोलने या हस्तक्षेप करने का नैतिक साहस जुटा पाता है या नहीं। यह देखना भी दिलचस्प होगा कि नये नागरिकता कानूनों के चलते वह किस मुंह से शरणार्थियों को शरण देने की अपील अन्य देशों से कर सकेगा? अगर वह यह सब नहीं कर सकता तो उसे कम से कम भारतीय उपमहाद्वीप व सार्क देशों की अगुवाई और दुनिया की रहनुमाई करने का ख्वाब छोड़ देना चाहिए।

राजनीति के अपराधीकरण पर सुप्रीम कोर्ट का तमाचा

- जयशंकर गुप्त

क्या हमारी सरकार और हमारे राजनीतिक दल सुप्रीम कोर्ट के आदेश-निर्देशों के अनुरूप इस मामले में कोई ठोस पहल करेंगे ! दरअसल, सभी दल चुनाव सुधारों की बात तो जोर-शोर से करते हैं लेकिन मौका मिलते ही अपनी चुनावी जीत सुनिश्चित करने के लिए उन सभी बुराइयों का लाभ लेने में जुट जाते हैं जिनका चुनाव सुधारों के क्रम में निषेध आवश्यक है। राजनीति का तेजी से हो रहा अपराधीकरण पिछले कई दशकों से भारतीय राजनीति और हमारे संसदीय लोकतंत्र को भी डसे जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट की नजर में राजनीतिक व्यवस्था के अपराधीकरण का खतरा लगातार बढ़ते जा रहा है। राजनीतिक व्यवस्था की शुद्धता के लिए आपराधिक पृष्ठभूमि के लोगों को कानून निर्माता बनने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। कुछेक अपवादों को छोड़ दें तो यह किसी भी राजनीतिक दल और आम जनता के लिए भी विशेष चिंता का विषय नहीं रह गया है। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र कहे जाने वाले भारत में चुनाव सुधारों की बात तो लंबे समय से होती रही है। लेकिन, आज तक %राजनीति के अपराधीकरण% पर रोक नहीं लग सकी है। 2004 में अपराधी पृष्ठभूमि के सांसदों की संख्या 128 थी जो वर्ष 2009 में 162, 2014 में 185 और वर्ष 2019 में बढ़कर 233 हो गई।

भाजपा ने 7 अप्रैल 2014 को लोकसभा चुनाव के लिए जारी अपने चुनाव घोषणा पत्र में अपराधियों को राजनीति से बाहर करने के लिए कटिबद्धता जाहिर की थी। मोदी जी ने खुद

राजस्थान में अपने चुनावी भाषणों में कहा था, आजकल यह चर्चा जोरों पर है कि अपराधियों को राजनीति में घुसने से कैसे रोका जाए। मेरे पास इसका एक ठोस इलाज है। मैंने भारतीय राजनीति को साफ करने का फैसला कर लिया है। मैं इस बात को लेकर आशान्वित हूं कि हमारे शासन के पांच सालों बाद पूरी राजनीतिक व्यवस्था साफ-सुधरी हो जाएगी और सभी अपराधी जेल में होंगे। इसमें कोई भेदभाव नहीं होगा और मैं अपनी पार्टी के दोषियों को भी सजा दिलाने से नहीं हिचकूंगा।

प्रधानमंत्री बनने के बाद 11 जून 2014 को संसद में अपने पहले भाषण में भी उन्होंने चुनावी प्रक्रिया से आपराधिक छवि के जन प्रतिनिधियों को बाहर करने की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए कहा था कि उनकी सरकार ऐसे नेताओं के खिलाफ मुकदमों के तेजी से निपटारे की प्रक्रिया बनाएगी। लेकिन उनकी इन घोषणाओं का हुआ क्या! 2014 के चुनाव में जीते भाजपा के 282 सांसदों में से 35 फीसदी (98) सांसदों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज थे। इनमें से 22 फीसदी के खिलाफ तो गंभीर आपराधिक मामले दर्ज थे। इन्हें उम्मीदवार किसने और क्यों बनाया था। यही नहीं, मोदी जी की मंत्रिपरिषद में भी 31 फीसदी के विरुद्ध आपराधिक और इनमें से 18 फीसदी यानी 14 मंत्रियों के खिलाफ तो गंभीर आपराधिक मामले दर्ज थे। इन्हें ठोक बजाकर मंत्री भी तो मोदी जी ने ही बनाया था ! 14 दिसंबर 2017 को केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दाखिल कर बताया था कि उस समय 1581 सांसद व विधायकों पर करीब 13500 आपराधिक मामले लंबित हैं और इन मामलों के निपटारे के लिए 12 विशेष अदालतों का गठन होगा। इसके बाद 12 मार्च 2018 को केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि देश के 1,765 सांसदों और विधायकों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं। जाहिर सी बात है कि भाजपा और मोदीजी ने भी राजनीति को अपराध मुक्त बनाने का जो वादा किया था वह उनके सत्ता संभालने के सवा सात साल बाद भी पूरा होने के बजाय कोरा जुमला ही साबित हुआ। इस दौरान उनकी पार्टी के कई सांसदों, मंत्रियों और विधायकों पर भी कई अपराध कर्म में शामिल होने के गंभीर आरोप लगे लेकिन उनके खिलाफ आपराधिक मुकदमा चलाने की बात तो दूर, उन्होंने सामान्य नैतिकता के आधार पर किसी का इस्तीफ़ा तक नहीं लिया। यह सच है कि राजनीति में तेजी से बढ़ रहे अपराधीकरण को रोकने के लिए कोई भी राजनीतिक दल ठोस कदम उठाने को तैयार नहीं। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट ने अपनी टिप्पणी और आदेशों के जरिए न सिर्फ सरकार बल्कि हमारी पूरी राजनीतिक व्यवस्था पर भी करारा तमाचा जड़ा है। उम्मीदवारों के आपराधिक रिकॉर्ड सार्वजनिक नहीं करने को अदालत के आदेश की अवमानना मानते हुए सुप्रीम कोर्ट ने भाजपा और कांग्रेस समेत आठ राजनीतिक दलों पर एक लाख से लेकर पांच लाख रुपए तक का जुर्माना लगाया। उन्हें सख्त निर्देश जारी करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सभी राजनीतिक दलों को चयन के 48 घंटों के भीतर अपने उम्मीदवारों की आपराधिक पृष्ठभूमि को अपने वेबसाइट पर सार्वजनिक करना होगा। उम्मीदवार के चयन के 72 घंटे के अंदर इसकी रिपोर्ट चुनाव आयोग को भी सौंपनी होगी। चुनाव आयोग से भी इन सब बातों पर निगरानी रखने के लिए एक अलग प्रकोष्ठ बनाने को कहा गया है। यह प्रकोष्ठ सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के पालन पर निगरानी रखेगा।

तुम कौन हो, तुम कौन हो

तुम कौन हो, तुम कौन हो
क्यों बार-बार पास आते हो
क्यों तुम्हीं याद रहते हो
क्यों तुम यादों में फिरते हो
क्यों मनन स्थिति से खेलते हो
तुम कौन हो, तुम कौन हो।।
क्यों आंखों से प्रवेश करते हो
क्यों बार-बार प्रहार करते हो
क्यों रगों में प्रवाह होते हो
क्यों तुम मेरे मंडल में छाते हो
तुम कौन हो, तुम कौन हो।।
तुम क्यों पीड़ा पहुंचाते हो
तुम क्यों दर्द बहाते हो
तुम क्यों सपनों सा प्रवाह भेजते हो
एक बार तुम बताओ चाहते क्या हो
तुम कौन हो, तुम कौन हो।।
क्यों मुसीबत बढ़ाते हो
क्यों मुझसे ही दूर करते हो

क्यों सामान्य से खास बनाते हो
तुम क्यों अपनी तरफ खींचते हो
तुम कौन हो, तुम कौन हो।।
मुझे व्यस्त ना होने देते हो
मुझे पथभ्रष्ट करते हो
क्यों मार्ग में अवरोध उत्पन्न करते हो
क्यों बहिष्कार रहते हो
तुम कौन हो, तुम कौन हो।।
सुन के भी अनजान बनते हो
फिर क्यों आस पास आते हो
क्यों अनजान बनने का प्रयत्न करते हो
क्यों मुझे ताका करते हो
तुम कौन हो, तुम कौन हो।।
सागर से गहरा ही तुम में
अत: का सागर तुम में
फिर क्यों क्षितिज से रहते हो
एक बार तो बता दो
तुम कौन हो, तुम कौन हो।।

सैफ का 51वां जन्मदिनःकरीना कपूर ने मालदीव से फोटोज शेयर कर पति सैफ अली खान को किया बर्थडे विश, जेह और तैमूर भी आए नजर

एक्टर सैफ अली खान का आज (16 अगस्त) 51वां जन्मदिन है। वे अपना बर्थडे अपनी फैमिली के साथ मालदीव में सेलिब्रेट कर रहे हैं। इस खास मौके पर उनके फैंस, फ्रेंड्स और फैमिली मेंबर्स सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर उन्हें जन्मदिन की बधाई दे रहे हैं। इस बीच सैफ की पत्नी करीना कपूर खान ने मालदीव से उनके साथ की फोटोज शेयर कर उन्हें बर्थडे विश किया है। इन फोटोज के साथ करीना ने सैफ के लिए एक स्पेशल नोट भी लिखा है।

हैप्पी बर्थडे टु द लव ऑफ माय लाइफः करीना

करीना कपूर ने मालदीव से फोटोज शेयर कर लिखा, हैप्पी बर्थडे टु द लव ऑफ माय लाइफ। अनंत काल तक तुम्हारे साथ रहूं, बस मैं यही चाहती हूं। बता दें कि एक दिन पहले ही सैफ फैमिली के साथ मुंबई से मालदीप के लिए रवाना हुए थे। दूसरे बेटे जेह के जन्म के बाद यह पहली बार है, जब करीना-सैफ छुट्टियां मनाने पहुंचे हैं। करीना कपूर ने दो फोटोज शेयर की हैं। पहली फोटो में करीना के साथ सैफ अली खान, तैमूर और जेह नजर आ रहे हैं। सभी रिजॉर्ट में पूल के पास बैठे हुए दिखाई दे रहे हैं। लुक्स की बात करें तो करीना फ्लोरल प्रिंट ड्रेस में हैं, जबकि सैफ अली खान सफेद कुर्ता पैजामा पहने हुए हैं। वहीं तैमूर कैमरे की ओर देखते हुए पोज दे रहे हैं, जबकि जेह लेटे हुए हैं। जेह के साथ सैफ-करीना की यह पहली फुल फैमिली फोटो है। वहीं दूसरी फोटो में करीना और सैफ पूल में हैं और वे दोनों समंदर की ओर देख रहे हैं।

सबा पटौदी ने भी भाई सैफ को किया बर्थडे विश

करीना कपूर की इन फोटोज पर मलाइका अरोड़ा ने कमेंट करते हुए लिखा- हैप्पी बर्थडे माई डियर सैफू। सैफ अली खान की बहन सबा पटौदी ने लिखा, हैप्पी बर्थडे भाई। ढेर सारा प्यार। सुरक्षित रहो और जबरदस्त रहो। इनके अलावा भी कई सेलेब्स ने सैफ को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी हैं। सारा अली खान ने भी सोशल मीडिया पर कुछ स्पेशल फोटोज शेयर कर अपने पापा को बर्थडे विश किया है। उन्होंने लिखा, जन्मदिन मुबारक हो अब्बा। मेरे सुपर हीरो होने के लिए धन्यवाद। मेरे सबसे चतुर दोस्त। सबसे अच्छी बातचीत करने वाले, सबसे अच्छे ट्रैवलिंग पार्टनर और मेरे सबसे बड़े सपोर्ट सिस्टम में से एक। लव यू। वर्क फ्रंट की बात करें करीना कपूर जल्द ही आमिर खान के साथ फिल्म लाल सिंह चड्ढा में नजर आएंगी। वहीं सैफ जल्ह ही भूत पुलिस, आदिपुरुष, बंटी और बबली 2 जैसी फिल्मों में दिखाई देंगे।

चेतन आनंद की फिल्म हकीकत

क्लासिक वॉर फिल्म 'हकीकत' का कलर वर्जन सालों से रिलीज के इंतजार में

गलवान की लड़ाई पर हकीकत 2.0 बनाने का प्लान

बॉलीवुड के इतिहास में शायद पहली बार एक ही सप्ताह में दो वॉर फिल्म 'शेरशाह' और 'भुज- द प्राइड ऑफ इंडिया' रिलीज़ हुईं। अभी और चार-पांच वॉर फिल्म पाइपलाइन में हैं। इस तरह एक तरफ वॉर फिल्मों की पॉपुलैरिटी बढ़ रही है लेकिन दूसरी और भारत की युद्ध फिल्मों में कल्ट क्लासिक का दर्जा पा चुकी 'हकीकत' का कलर वर्जन सालों से रिलीज के इंतजार में है। अब इस फिल्म को नए सिरे से रिलीज करने के लिए ओटीटी प्लेटफार्म ढूंढ़ा जा रहा है।

स्वतंत्रता दिवस और दूसरे राष्ट्रीय त्योहार के मौकों पर 'कर चले हम फ़िदा जान-ओ-तन' गाना जरूर बजता है। इसके बोल ऐसे हैं जो आंखों में नमी भी ला देते हैं और खून में देशभक्ति का उबाल भी। सैनिकों की कुर्बानी को सलाम करने वाला यह गाना 'हकीकत' फिल्म के क्लाइमेक्स में बजता है। यह बहुत ही खास बात है क्योंकि आम तौर पर वॉर फिल्में जंग में जीत पर बनाई जाती है लेकिन 'हकीकत' को 1962 के भारत-चीन युद्ध में भारतीय सैनिकों की कुर्बानी पर एक थिएट्रिकल श्रद्धांजलि के रूप में बनाया गया था। सालों बाद स्वयं प्रोड्यूसर डायरेक्टर चेतन आनंद ने ख्वाहिश जताई थी कि काश वह यह फिल्म कलर में बना पाते।

1.5 करोड़ में दिया गया है नया रूप

चेतन आनंद के बेटे केतन आनंद ने बताया कि आज की पीढ़ी वॉर फिल्में पसंद कर रही है। वह 'हकीकत' जरूर देखना चाहेगी। आज की पीढ़ी की पसंद के अनुसार उसमें कलर और साउंड में भी बदलाव किए गए हैं। इस प्रोजेक्ट में 1.5 करोड़ रूपये का खर्च हुआ है।

कलर वर्जन को स्क्रीन पर ले जाने का संघर्ष

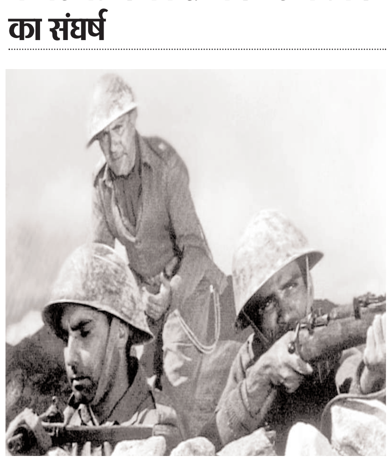

केतन आनंद ने बताया कि 'हकीकत' को कलर करने का प्रोजेक्ट 2011 में बना। फिल्म के कलर वर्जन को बड़े पैमाने पर रिलीज करने का प्लान बना था। लेकिन, फिल्म डिस्ट्रीब्यूटर का देहांत हो गया। दो साल पहले यह फिल्म रिलीज करने का फिर प्लान बना पर तब कोरोना की वजह से लॉकडाउन आ गया। इसकी वजह से थिएट्रिकल रिलीज और मुश्किल हो गई। केतन आनंद बताते हैं कि अभी दो नई वॉर फिल्म ओटीटी पर आई हैं। वह भी अब 'हकीकत' को नए सिरे से रिलीज करने के लिए ओटीटी का रूट तलाश रहे हैं।

हकीकत 2.0 का भी प्लान

ओरिजिनल 'हकीकत' को नया रूप देने के साथ साथ केतन आनंद ने हकीकत 2.0 फिल्म का भी प्लान किया है।

केतन कहते हैं कि लॉकडाउन के समय में एक तरफ गलवान में चीन के आक्रमण में हमारे जवान शहीद हुए। दूसरी और हमारे फ्रंट लाइन वॉरियर्स ने कोरोना के खिलाफ जंग लड़ी।

इन नए वॉरियर्स की कहानी को लेकर वह

हकीकत 2.0 बना रहे हैं। फिल्म प्रोजेक्ट में उनका सहयोग कर रही सरिता चौरसिया ने बताया कि फिल्म की स्क्रिप्ट और दूसरा पेपर वर्क हो चुका है।

'हकीकत' क्यों आज भी सबसे बेहतर वॉर फिल्म

भारत मे बनी युद्ध फिल्मो पर एक एनालिटिकल रेफरेन्स बुक लाइट, कैमरा, वॉर = फिफ्टी इंडियन वॉर मूवीज़ 1950-2020 के लेखक के.वी. रमेश ने दैनिक भास्कर को बताया कि 'हकीकत' में ऐतिहासिक तथ्य, मनोरंजन और देशभक्ति का असर, इन तीनो बातों का बहुत ही अच्छा

संतुलन है।

रमेश बताते हैं कि आजादी के बाद किसी कन्वेन्शनल वॉर पर बनी यह पहली फिल्म थी। इसने कई सारे ट्रेंड सेट किए। पहले

सैनिक का फैमिली बैकग्राउंड, उनके परिवारों की याद या फिर कोई खत की बात, फैमिली कनेक्ट, कोई इमोशनल सॉन्ग, टेन्शन बिल्ड अप और फिर जंग के दृश्य। यह टेम्पलेट 'शेरशाह' तक ने फॉलो किया है।

'हकीकत' एक पॉपुलर बॉलीवुड मूवी होने के साथ-साथ एक वॉर मूवी के सारे पैमानों पर खरी उतरी है। लोकेशन, इक्विपमेंट के यूज और फायरपावर में चीन भारत से सुपीरियर था, यह सारी बातें एकदम अथेंटिक तरीके से बताई गई है। पहली ही वॉर फिल्म के हिसाब से यह बहुत बड़ी बात है।

भारत में कन्वेशनल वॉर पर दूसरी फिल्म 'हिंदुस्तान की कसम' भी चेतन आनंद ने ही डायरेक्ट की थी। वह फिल्म इस रूप में अनूठी है कि इसमें 1971 के पाकिस्तान युद्ध में एयरफोर्स के रोल को हाईलाइट किया गया था।

इस फिल्म के प्रोड्यूसर रवि आनंद थे। बाद में 'खुदा गवाह' और 'हम' जैसी फिल्में बनाने वाले उनके भाई मुकुल आनंद ने इस फिल्म से बतौर असिस्टेंट डायरेक्टर काम शुरू किया था।

इसी फिल्म से अमज़द खान का करियर भी शुरू हुआ। रवि और मुकुल आनंद के भाई राहुल आनंद ने बताया कि 'शोले' के लिए चयन हो रहा था। उसी वक्त एक रात मुकुल आनंद ने रमेश सिप्पी को 'हिंदुस्तान की

कसम' के कुछ रशेज दिखाए। उसी के आधार पर अमजद खान को 'शोले' के लिए कास्ट किया गया।

'शेरशाह' के लिए चेतन आनंद की ही 'परमवीर चक्र' का इंस्पिरेशन

अभी रिलीज़ हुई फिल्म 'शेरशाह' परमवीर चक्र से सम्मानित शहीद विक्रम बत्रा की बायोपिक है। परमवीर चक्र से सम्मानित शहीदों की कहानी कहती इसी नाम की सीरियल दूरदर्शन पर 80 के दशक में चेतन आनंद ने ही बनाया था।

'शेरशाह' फिल्म में दिखाया गया है कि कैसे विक्रम बत्रा बचपन में पड़ोसी के घर जाकर 'परमवीर चक्र' सीरियल देखते थे और इसी से उन्होंने सैनिक बनने की ठान ली थी।

केतन बताते हैं कि उन्होंने पिता चेतन आनंद के साथ 'परमवीर चक्र' के कुछ एपिसोड डायरेक्ट किए थे। नसीरुद्दीन शाह और फारूक शेख जैसे कलाकारों ने परमवीर चक्र पाने वाले शहीदों का किरदार अदा किया था। केतन आनंद ने बताया कि 'परमवीर चक्र' सीरियल के लिए लद्दाख में शूट कर रहे थे उसी वक्त चेतन जी ने लद्दाख के खूबसूरत शोट्स देखकर कहा था कि काश वह 'हकीकत' भी कलर में बना पाते। अब यह फिल्म कलर में बन चुकी है। ओटीटी या अच्छा प्लेटफार्म मिल जाए तो यह कलर वर्जन दर्शकों तक पहुंचाने का सपना भी 'हकीकत' में बदलेगा।

राज कुंद्रा की गिरफ्तारी के तीन हफ़्तों बाद काम पर लौटीं शिल्पा शेट्टी, सुपर डांसर चैप्टर 4 की रेंगी शूटिंग

पोर्न फिल्म केस में राज कुंद्रा को अब तक राहत नहीं मिली है और वह 19 जुलाई से न्यायिक हिरासत में हैं। राज के इस केस में फंसने के बाद से ही शिल्पा ने अपने वर्क कमिटमेंट्स से दूरी बना ली थी और वह रियलटी टीवी शो सुपर डांसर चैप्टर 4 की शूटिंग पर भी नहीं पहुंच रही थीं, जिसमें वे जज की भूमिका में हैं। शिल्पा ने पिछले तीन हफ्तों से कोई शूटिंग नहीं की थी और उन्हें रिप्लेस किए जाने की खबरें भी जोरों पर थी, लेकिन शिल्पा ने वापसी का मन बना लिया है।

17 अगस्त से शूटिंग पर लौट रही हैं शिल्पा

शो से जुड़े एक सूत्र के मुताबिक, शिल्पा ने न शो छोड़ा है और न ही उन्हें कोई रिप्लेस करने वाला है। वह राज कुंद्रा केस के बीच शूटिंग पर लौटने के लिए तैयार हैं। मेकर्स ने भी उनका पूरा सपोर्ट किया और वह नहीं चाहते थे कि कोई और सेलेब शिल्पा की जगह आए। शिल्पा के लिए शूटिंग पर लौटना बहुत बड़ा डिसीजन था, इसलिए उन्हें पूरा समय दिया गया। शिल्पा 17 अगस्त से शूटिंग शुरू कर देंगी और वह शो के फिनाले तक इसका हिस्सा बनी रहेंगी।

शिल्पा की गैरमौजूदगी में ये सेलेब्स नजर आए

शिल्पा पिछले तीन हफ्तों से शूटिंग पर नहीं पहुंची थीं और उनकी गैरमौजूदगी में कुछ सेलिब्रिटी गेस्ट शो का हिस्सा बने, जिसमें करिश्मा कपूर, जेनेलिया और रितेश देशमुख के नाम शामिल हैं। इस शो में अनुराग बसु और गीता कपूर भी जज की भूमिका में नजर आते हैं।

दूसरी पत्नी हैं शिल्पा

राज की दो शादियां हुई थीं। उनकी पहली शादी कविता कुंद्रा से हुई। कुछ साल बाद दोनों अलग हो गए। इसके बाद राज ने 22 नवंबर 2009 को बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी से शादी की। उनके दो बच्चे हैं-बेटा वियान और बेटी समीषा।

इंग्लैंड पर भारत की जीत का अनुष्का शर्मा ने मनाया जश्न, शेयर की विराट कोहली का मस्त फोटो

अनुष्का शर्मा ने इंग्लैंड के खिलाफ भारत की जीत की खुशी इंस्टाग्राम पर तस्वीरें शेयर की हैं। इनमें से एक फोटो में विराट कोहली के एक्सप्रेशंस देखने लायक हैं। सोमवार को इंडियन क्रिकेट टीम ने सेकेंड टेस्ट मैच में होस्ट इंग्लैंड को हराया। अनुष्का ने मैच से जुड़े कई स्क्रीनशॉट्स अपने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किए हैं।

मजेदार है विराट का रिऐक्शन

इंडियन क्रिकेट टीम इस वक्त यूके में है जहां उनका 5 मैच टेस्ट सीरीज में इंग्लैंड से मुकाबला है। अनुष्का ने अपने इंस्टाग्राम पर भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान विराट कोहली की तस्वीर भी पोस्ट की है। इस फोटो में जीत पर विराट का रिऐक्शन दिख रहा है।

अनुष्का ने टीवी पर देखा मैच

अनुष्का ने 3 स्क्रीनशॉट्स लगाए हैं। इनमें लिखा है, बहुत इंट्रेस्टिंग, यस, क्या जीत है, क्या टीम है। इससे पहले अनुष्का ने फैंस को जानकारी दी थी कि वह गेम इनडोर्स देख रही हैं। उन्होंने अपने टीवी स्क्रीन का फोटो शेयर किया था। इस मैच में इंडिया ने इंग्लैंड को 151 रनों से हराया है। 5 मैच सीरीज में उन्हें 1-0 से लीड मिली है। भारत ने इंग्लैंड को 272 रन का टार्गेट दिया था हालांकि 120 रन में ही उनकी पूरी टीम आउट हो गई।

यूके में एंजॉय कर रहीं अनुष्का

अनुष्का शर्मा इस वक्त इंग्लैंड में हैं। सीरीज के लिए वह बेटी वामिका को लेकर विराट के साथ गई थीं। अनुष्का वहां से कई इंट्रेस्टिंग तस्वीरें शेयर कर रही हैं। अनुष्का ने वहां हेयरकट भी लिया है। अनुष्का अथिया शेट्टी के साथ भी एंजॉय करती दिखीं। उनके और केएल राहुल के डेटिंग के भी चर्चे हैं।

अमेरिकी मिलिट्री प्लेन में भेड़-बकरियों की तरह ठूंसकर भरे गए अफगानी। C17 ग्लोबमास्टर 640 लोगों को काबुल से कतर ले गया।

काबुल एयरपोर्ट पर बिखरी पड़ी सेना की वर्दियों बीच से गुजरता एक बच्चा। काबुल एयरपोर्ट पर हजारों की संख्या में लोग विमानों में जगह मिलने का इंतजार कर रहे हैं।

काबुल एयरपोर्ट पर बिखरी पड़ी सेना की वर्दियों बीच से गुजरता एक बच्चा। काबुल एयरपोर्ट पर हजारों की संख्या में लोग विमानों में जगह मिलने का इंतजार कर रहे हैं।

अफगानिस्तान के उत्तरी प्रांत में अफगान सेना और तालिबान की जंग से बचकर काबुल आया एक बच्चा। तस्वीर काबुल के पार्क की है।

काबुल एयरपोर्ट पर सोमवार को फायरिंग हुई जिसमें 5 लोगों की जान गई और कई लोग घायल हुए। एक घायल व्यक्ति को सुरक्षित जगह ले जाता दूसरा व्यक्ति।

रविवार को तालिबान के काबुल पर कब्जा करने के बाद हामिद करजई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर लोगों की भीड़ बढ़ गई। तस्वीर में एयरपोर्ट के अंदर घुसने की कोशिश करते लोग।

विमान अपनी क्षमता से कहींअधिक लोगों को लेकर जा रहे हैं। सोमवार को एक प्लेन के उड़ान भरते ही उसके ऊपर चढ़े हुए तीन लोग नीचे गिरकर मर गए।

न्यूज ब्रीफ

महामारी से निपटने के लिए सख्ती: 6 महीने बाद न्यूजीलैंड में 1 पॉजिटिव केस सामने आया, पूरे देश में लॉकडाउन लागू

ऑकलैंड। न्यूजीलैंड सरकार ने देश में लॉकडाउन लगा दिया है। यह फैसला ऑकलैंड शहर में एक व्यक्ति की कोविड-19 टेस्ट रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद किया गया। न्यूजीलैंड में 6 महीने बाद किसी व्यक्ति को कोरोना पॉजिटिव पाया गया है। ऑकलैंड में एक सप्ताह जबकि देश के बाकी हिस्सों में तीन दिन का लॉकडाउन रहेगा। हेल्थ मिनिस्ट्री को आशंका है कि जिस व्यक्ति को पॉजिटिव पाया गया है, उसमें डेल्टा वैरिएंट के लक्षण हो सकते हैं। यह सबसे ज्यादा खतरनाक वैरिएंट माना जा रहा है।

ऑफिस और स्कूल भी बंद: पॉजिटिव पाया गया व्यक्ति ऑकलैंड के तटीय कस्बे कोरोमेंडेल भी गया था। इस कस्बे में सात दिन के लिए सख्त लॉकडाउन लगा दिया गया है। प्रधानमंत्री जेसिंडा अर्डर्न ने कहा कि यहां लेवल-4 नियम लागू किए जा रहे हैं। इसके तहत कोरोना गाइडलाइन की सबसे सख्त शर्तें लागू की जाती हैं। स्कूल, ऑफिस और कारोबार सभी बंद रहेंगे। जरूरी सेवाएं जारी रहेंगी। जेसिंडा ने कहा- हमने इस तरह की चीजों के लिए पहले से तैयारी की है। अगर आप शुरुआत में ही सख्ती से नियम लागू करते हैं तो इसका फायदा होगा। यह हम पहले भी देख चुके हैं।

23 जगहों पर नजर ज्यादा: मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, संक्रमित व्यक्ति की उम्र 58 साल है। माना जा रहा है कि वह गुरुवार से बीमार है। टेस्ट के दौरान उसे पॉजिटिव पाया गया। उन 23 जगहों पर नजर ज्यादा रखी जा रही है, जहां यह व्यक्ति गया था। यह मामला सामने आने के बाद ऑकलैंड के सुपरमार्केट्स में भीड़ बढ़ गई है। लोगों को पहले से ही अंदाजा था कि लॉकडाउन लगाया जा सकता है। प्रशासन का कहना है कि इस मामले तेज और सख्त एक्शन की जरूरत है, क्योंकि यह डेल्टा वैरिएंट का केस लग रहा है।

खतरा बढ़ रहा है: हेल्थ मिनिस्ट्री द्वारा जारी किए गए डेटा के मुताबिक, देश की सीमाओं पर हालिया हफ्तों में जो मामले सामने आए हैं, वे सभी डेल्टा वैरिएंट ही थे। पीएम ने कहा- हम देख चुके हैं कि बाकी जगहों पर इस वैरिएंट ने कितनी मुश्किलें पेश कीं। इसलिए हमारे पास एक ही मौका है जब हमें शुरुआत में ही संभल जाएं। न्यूजीलैंड ने अपनी सीमाओं पर सख्त निगरानी रखी है। यही वजह कि कोई भी पॉजिटिव मरीज देश नहीं पहुंच पाया। एक लिहाज से यहां की तमाम सीमाएं बंद कही जा सकती हैं।

नागपुर पुलिस की दरियादिली:हाथ में गुल्लक लेकर जुर्माना भरने पहुंचा ऑटो ड्राइवर

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नागपुर

पुलिस का मानवीय चेहरा इन दिनों सोशल मीडिया की सुर्खियों में है। यहां एक ऑटो ड्राइवर को ट्रैफिक पुलिस डिपार्टमेंट के एक कर्मचारी ने नियमों का उल्लघंन करने के आरोप में पकड़ा। उस पर 2000 रूपये का फाइन लगाया गया। ऑटो ड्राइवर गरीब था और उसके पास फाइन भरने के पैसे नहीं थे। इसके बाद वह अपने बच्चे का पिगी बैंक लेकर सीधे ट्रैफिक डिपार्टमेंट के ऑफिस पहुंचा और चलान जमा कराने की कोशिश की।

जानकारी के मुताबिक, नागपुर के सिताबुल्दी इलाके में ट्रैफिक नियम तोड़ने पर रोहित खडसे नाम के ऑटोवाले पर सीनियर पुलिस ऑफिसर अजय मालवीय ने 2000 रुपये का जुर्माना लगा दिया था। पुलिस ने ऑटो जब्त कर जुर्माने के पैसे जमा कराने को कहा। इसके बाद ड्राइवर घर गया और अपने बेटे का गुल्लक लेकर अजय मालवीय के सामने पहुंचा।

पुलिस अफसर ने बेटे का गुल्लक वापस किया

रोहित के उदास चेहरे और हाथ में पिगी बैंक को देख जब अफसर ने गुल्लक लाने की वजह पूछी, तो ऑटो ड्राइवर रोहित ने पैसे न होने पर मजबूरी में बेटे की गुल्लक लाने की बात कही। इस पर पुलिस अफसर का दिल पसीज गया और उन्होंने ऑटो ड्राइवर का जुर्माना अपने पैसों से भरा। यही नहीं,

उन्होंने ड्राइवर के बेटे को बुलाकर उसका गुल्लक भी वापस किया। अब लोग पुलिस अफसर अजय मालवीय की खूब तारीफ कर रहे हैं। नागपुर पुलिस ने भी इसे सोशल मीडिया में शेयर किया है।

इस वजह से सीज किया गया था ऑटोरिक्शा

पुलिस अफसर अमित मालवीय ने बताया, ऑटो ड्राइवर ने नो पार्किंग में रिक्शा पार्क किया था, इसलिए उस पर 200 रुपए का फाइन लगाया गया। जांच में पता चला कि रोहित के नाम पर पहले से 2 हजार रुपए का चलान बकाया था, इसलिए उसका ऑटो सीज किया गया। वह पांच, 10 रुपए के सिक्के और कुछ छोटे नोट लेकर चलान भरने पहुंचा था। चालान भरने के साथ उससे वादा भी लिया है कि वह आगे से ऐसी हरकत नहीं करेगा और ट्रैफिक नियमों को कड़ाई से मानेगा।

अब तक UP में सबसे ज्यादा तो लक्षदीप में सबसे कम वैक्सीनेशन

वैक्सीनेशन में भारत का नया रिकॉर्ड:बीते दिन 88 लाख से ज्यादा लोगों को कोरोना का टीका लगा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

भारत ने एक दिन में वैक्सीनेशन का नया रिकॉर्ड बनाया है। सरकार के मुताबिक, सोमवार को देश में 88.13 लाख लोगों को कोरोना का टीका लगाया गया। यह अब तक देश और दुनिया में एक दिन में हुआ सबसे ज्यादा वैक्सीनेशन है। देश में अब तक 6.3 करोड़ डोज लगाकर उत्तर प्रदेश टॉप पर है। सबसे कम 70 हजार डोज लक्षद्वीप में लगे हैं।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने मंगलवार को ट्वीट कर बताया कि भारत में दुनिया का सबसे बड़ा वैक्सीनेशन अभियान चलाया गया। इसके लिए देशवासियों को बधाई। इतिहास में अब तक इतने बड़े स्तर पर वैक्सीनेशन नहीं हुआ है। भारत में सोमवार तक 55 करोड़ वैक्सीन डोज लगाए जा चुके हैं।

देश में 21 बार 50 लाख से ज्यादा वैक्सीन डोज लगे: देश में अब तक 21 बार 50 लाख से ज्यादा वैक्सीन डोज लगाए जा चुके हैं। 28 जून को 53 लाख, 25 जून को 70 लाख, 21 जून को 87 लाख, 3 जुलाई को 66 लाख, 13 जुलाई को 62 लाख, 17 जुलाई को 52 लाख, 19 जुलाई को 53 लाख, 22 जुलाई को 55 लाख, 26 जुलाई को 67 लाख, 29 जुलाई को 53 लाख, 30 जुलाई को 54 लाख, 31 जुलाई को 87 लाख, 2 अगस्त को 63 लाख, 3 अगस्त को 67 लाख, 6 अगस्त को 56 लाख, 7 अगस्त को 57 लाख, 9 अगस्त को 58 लाख, 12 अगस्त को 59 लाख, 13 अगस्त को 66 लाख, 14 अगस्त को 76 लाख और 16 अगस्त को 88 लाख वैक्सीन डोज लगाए गए थे।

देश में 16 अगस्त तक 55 करोड़ 65 लाख से ज्यादा वैक्सीन डोज लगाए जा चुके हैं। 21 बार एक दिन में 50 लाख से ज्यादा डोज लगाए गए हैं।

देश में अभी रिकवरी रेट सबसे ज्यादा: इस समय भारत में कोरोना संक्रमितों का रिकवरी रेट 97.57ऩ है। यह मार्च 2020 से लेकर अब तक सबसे ज्यादा है। देश में 3 करोड़ 22 लाख से ज्यादा लोग कोरोना संक्रमित हुए थे। इसमें से 3 करोड़ 14 लाख लोग रिकवर हो चुके हैं।

नए केस 154 दिन बाद सबसे कम

16 अगस्त को देश में कोरोना के 24,692 मामले दर्ज किए गए। 36,862 लोग इस बीमारी से रिकवर हुए। 438 संक्रमितों की मौत हो गई। नए केस का आंकड़ा 154 दिन बाद सबसे कम रहा। इससे पहले 15 मार्च को 24,437 नए केस आए थे। सोमवार को एक्टिव केस, यानी इलाज करा रहे मरीजों की संख्या में भी 12,610 की गिरावट दर्ज की गई है। अब कुल 3.63 लाख मरीजों का इलाज चल रहा है।

कोरोना देश में:बीते दिन 24692 नए संक्रमितों की पहचान हुई

36862 ठीक हुए; नए केस 154 दिन में सबसे कम

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

कोरोना मामलों को लेकर कल का दिन राहत देने वाला रहा। 16 अगस्त को कोरोना के 24,692 मामले दर्ज किए गए, 36,862 लोगों ने इस बीमारी को मात दी जबकि 438 संक्रमितों की मौत हो गई। नए केस का आंकड़ा 154 दिन बाद सबसे कम रहा। इससे पहले 15 मार्च को 24,437 नए केस आए थे। सोमवार को एक्टिव केस यानी इलाज करा रहे मरीजों की संख्या में भी 12,610 की गिरावट दर्ज की गई है। अब कुल 3.63 लाख मरीजों का इलाज चल रहा है। केरल में सोमवार को 12,294 केस दर्ज किए गए। यहां 26 जुलाई के बाद इतने कम केस सामने आए हैं। 26 जुलाई को यहां 11,568 लोगों की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी। महाराष्ट्र में भी बीते दिन 4,145 नए मामले दर्ज किए गए। यह 16 फरवरी को दर्ज किए गए 3,663 मामलों के बाद सबसे कम है।

8 राज्यों में लॉकडाउन जैसी पाबंदियां

देश के 8 राज्यों में पूर्ण लॉकडाउन जैसी पाबंदियां हैं। इनमें पश्चिम बंगाल, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, ओडिशा, तमिलनाडु, मिजोरम, गोवा और पुडुचेरी शामिल हैं। यहां पिछले लॉकडाउन जैसे ही कड़े प्रतिबंध लगाए गए हैं।

23 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में आंशिक लॉकडाउन

देश के 23 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में आंशिक लॉकडाउन है। यहां पाबंदियों के साथ छूट भी है। इनमें छत्तीसगढ़, कर्नाटक, केरल, बिहार, दिल्ली, महाराष्ट्र, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, हरियाणा, पंजाब, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, उत्तराखंड, अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, मेघालय, नगालैंड, असम, मणिपुर, त्रिपुरा, आंध्र प्रदेश और गुजरात शामिल हैं।

मध्यप्रदेश कोरोना ग्राफ

	14 अगस्त	15 अगस्त	16 अगस्त
केस आए	16	13	07
ठीक हुए	08	20	16
मौत हुई	00	00	01

3 जिले जहां 24 घंटे में कोरोना के सबसे ज्यादा केस आए

भोपाल	इंदौर	जबलपुर
04/00/00	02/00/00	01/00/00

केरल: यहां सोमवार को 12,294 लोग संक्रमित पाए गए। 18,542 लोग ठीक हुए और 142 लोगों की मौत हो गई। यहां अब तक 37.02 लाख लोग संक्रमण की चपेट में आ चुके हैं। इनमें 35.10 लाख लोग ठीक हो चुके हैं, जबकि 18,743 लोगों की मौत हुई है। फिलहाल 1.72 लाख मरीजों का इलाज चल रहा है।

महाराष्ट्र: यहां सोमवार को 4,145 लोग संक्रमित पाए गए। 5,811 लोग ठीक हुए और 100 लोगों की मौत हो गई। यहां अब तक 63.96 लाख लोग संक्रमण की चपेट में आ चुके हैं। इनमें 61.95 लाख लोग ठीक हो चुके हैं, जबकि 1.35 लाख लोगों की मौत हुई है। फिलहाल 62,452 मरीजों का इलाज चल रहा है।

दिल्ली: दिल्ली में सोमवार को 27 लोग कोरोना पॉजिटिव पाए गए। इस दौरान 73 लोग ठीक हुए। यहां अब तक 14.37 लाख लोग संक्रमण की चपेट में आ चुके हैं। इनमें 14.11 लाख लोग ठीक हो चुके हैं, जबकि 25,069 मरीजों की मौत हो चुकी है। यहां 467 मरीजों का इलाज चल रहा है।

गुजरात: यहां सोमवार को 14 लोग कोरोना पॉजिटिव पाए गए। 13 मरीज ठीक हुए। यहां अब तक करीब 8.25 लाख लोग संक्रमण की चपेट में आ चुके हैं। इनमें 8.14 लाख लोग ठीक हो चुके हैं, जबकि 10,078 मरीजों की मौत हो चुकी है। यहां 184 संक्रमितों का इलाज चल रहा है।

राजस्थान: यहां सोमवार को 11 लोग कोरोना संक्रमित पाए गए। इस दौरान 44 मरीज ठीक हुए। अब तक राज्य में 9.53 लाख लोग संक्रमण की चपेट में आ चुके हैं। इनमें 9.44 लाख लोग ठीक हो चुके हैं, जबकि 8,954 मरीजों की मौत हो चुकी है। फिलहाल 180 मरीजों का इलाज चल रहा है।

उत्तर प्रदेश: यहां सोमवार को 17 लोग संक्रमित पाए गए। इस दौरान 36 लोग ठीक हुए, जबकि 1 मरीज की जान गई। अब तक राज्य में 17.08 लाख से ज्यादा लोग संक्रमित हो चुके हैं। इनमें 16.85 लाख ठीक हो चुके हैं, जबकि 22,785 मरीजों ने दम तोड़ दिया। यहां 419 मरीजों का इलाज चल रहा है।

मध्यप्रदेश: यहां सोमवार को 7 नए मामले सामने आए और 16 मरीज ठीक हुए। 1 की मौत हुई। अब तक राज्य में 7.92 लाख लोग संक्रमण की चपेट में आ चुके हैं। इनमें 7.81 लाख लोग ठीक हो चुके हैं, जबकि 10,515 लोगों की मौत हो गई। 94 मरीजों का अभी इलाज चल रहा है।

उप्र के सरकारी अस्पताल में जिंदा जला नवजात: ड्यूटी स्टाफ मोबाइल पर बिजी था

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज कौशांबी

उत्तर प्रदेश में कौशांबी के जिला अस्पताल में स्न्न्न्ष्ट (सिक न्यू बॉर्न केयर यूनिट) में एक नवजात शिशु वॉर्मर मशीन के हीटिंग पैड पर जिंदा जल गया। बच्चे का शरीर नीला पड़ गया था। वॉर्मर इतना गर्म हो गया था कि बच्चे के सीने से पेट तक की चमड़ी बुरी तरह झुलस गई। उसके शरीर से धुआं निकलने लगा।

वॉर्मर पर रखने के बाद स्टाफ ने बच्चे को नहीं देखा: अस्पताल के स्टाफ ने जब यह देखा तो उसके हाथ-पांव फूल गए।

फौरन डॉक्टर्स को सूचना दी। चीफ मेडिकल सुप्रीटेंडेंट डॉ. दीपक सेठ और स्न्न्न्ष्ट के ड्यूटी डॉक्टर्स वार्ड में पहुंचे, तब तक बच्चे की मौत हो चुकी थी।

परिजन ने अस्पताल में हंगामा किया: इस घटना से गुस्साए बच्चे के परिजनों ने अस्पताल में जमकर हंगामा किया। मंझनपुर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर उन्हें समझाया तब वे शांत हुए। परिजन का आरोप है कि स्न्न्न्ष्ट वार्ड का स्टाफ मोबाइल पर बिजी था। उन्होंने बच्चे पर ध्यान ही नहीं दिया।

14 अगस्त को प्रसव के लिए अस्पताल पहुंची थी महिला: फतेहपुर के हरिश्चंद्रपुर गांव के रहने वाले जुनैद अहमद ने पत्नी मेहिलिका को 14 अगस्त को जिला अस्पताल में भर्ती कराया था। शाम 6.15 बजे मेहिलिका ने बेटे को जन्म दिया। परिवार वाले काफी खुश थे। वह निश्चिंत थे कि डिस्चार्ज कराकर घर चले जाएंगे, लेकिन डॉक्टरों ने बच्चे को पूरी तरह से स्वस्थ न होने की बात कही और उसे स्न्न्न्ष्ट वार्ड में शिफ्ट कर दिया। पूरी रात परिवार के लोगों को नवजात के पास नहीं जाने दिया। रविवार सुबह बच्चे की नानी शबाना उसे देखने गई तो बच्चे का शरीर नीला पड़ चुका था और उसके शरीर से धुआं निकल रहा था। सीने और पेट का हिस्सा फट रहा था। पिता जुनैद का कहना है कि बच्चे के शरीर से धुआं निकल रहा था। उसकी पूरी खाल झुलस गई थी।

अफगानिस्तान में यूपी के 18 लोग: काबुल में फंसे भारतीयों ने वतन वापसी की गुहार लगाई

चंदौली। अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में सैकड़ों भारतीय फंसे हैं। इसमें उत्तर प्रदेश के 18 लोग भी हैं। वे वहां एक स्टील फैक्टरी में काम करते हैं। उन्होंने भारत सरकार से वतन वापसी के लिए गुहार लगाई है। इन लोगों में चंदौली के अमोघपुर गांव के सूरज भी हैं। सूरज ने घरवालों को फोन करके वहां के हालात के बारे में बताया है। कहा कि यूपी के कुछ और लोग उनके साथ फैक्टरी में काम करते हैं। सभी का पासपोर्ट फैक्टरी का मालिक लेकर चला गया है। यहां कोई सुनवाई नहीं हो रही है। अगर जल्द यहा ं से नहीं निकाले गए तो हम सभी मारे जाएंगे।

काबुल से लाए जा रहे भारतीय, अभी भी सैकड़ों फंसे: अफगानिस्तान के मौजूदा हालात को देखते हुए भारत सरकार ने अफगानिस्तान में भारतीय राजदूत रुदेंद्र टंडन और स्टाफ को वापस बुला लिया है। वायुसेना का ग्लोबमास्टर ष्ट-17 एयरक्राफ्ट काबुल से 150 लोगों को लेकर गुजरात के जामनगर पहुंच चुका है। भारतीय राजदूत भी इसी विमान से आए हैं। हालांकि, अभी भी बड़ी संख्या में भारतीय वहां फंसे हैं।

न्यूज ब्रीफ

वर्ल्ड एथलेटिक्स अंडर-20 चैम्पियनशिप, केन्या में साई एन.सी.ओ.ई. भोपाल के खिलाडियों का चयन

भोपाल। बड़े ही गर्व के साथ ही आपको सूचित किया जाता है कि भारतीय खेल प्राधिकरण के साई एनसीओई भोपाल के एथलेटिक्स खिलाडियों का चयन वर्ल्ड एथलेटिक्स अंडर-20 चैम्पियनशिप में हुआ है जो कि नैरोबी, केन्या में दिनांक 17 से 22 अगस्त 2021 तक संपन्न होगी। साई एनसीओई भोपाल के एथलेटिक्स खिलाड़ी अनु कुमार का चयन पुरुष वर्ग के 800 मीटर के प्रतिस्पर्धा में और अंकिता ध्यानी का चयन महिला वर्ग के 5000 मीटर के प्रतिस्पर्धा में हुआ है। दोनों ही खिलाड़ी होनहार है और इन्होने पूर्व में कई स्वर्ण पदक प्राप्त कर संस्था को गौरवान्वित किया है। इस अवसर पर खुशी व्यक्त करते हुये श्री सत्यजित सांकृत, निदेशक, साईं मध्य क्षेत्र भोपाल ने सभी खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षको को शुभकामनाएं दी तथा उनके उज्जवल भविष्य की कामना की

आईपीएल में खेलेंगे राशिद खान और मोहम्मद नबी

नईअ्दिल्ली। आईपीएल फ्रेंचाइजी सनराइजर्स हैदराबाद ने स्पिनर राशिद खान और ऑलराउंडर मोहम्मद नबी के IPL-14 के फेज-2 में खेलने पर अंतिम मुहर लगा दी है।
अफगानिस्तान में चल रहे सामाजिक और राजनीतिक संघर्ष के बाद दोनों खिलाड़ियों के यूएई में होने वाले फेज-2 में हिस्सा लेने पर संदेह पैदा कर दिया था, लेकिन अब हैदराबाद टीम ने सब कुछ साफ कर दिया है। सनराइजर्स हैदराबाद के सीईओ के. शनमुगन ने दोनों खिलाड़ियों के यूएई चरण में उपलब्ध रहने की पुष्टि की। उन्होंने समाचार एजेंसी एएनआई से बातचीत में कहा, जो कुछ भी अफगानिस्तान में इस वक्त चल रहा है हमने अब तक इस बारे में उनसे किसी तरह की बात नहीं की है। वैसे यह बात तय है कि दोनों (राशिद खान और मोहम्मद नबी) ही खिलाड़ी टूर्नामेंट खेलने के लिए उपलब्ध रहेंगे। शनमुगन ने साथ ही यह भी बताया कि उनकी टीम यूएई के लिए कब रवाना होगी। उन्होंने कहा, हम इस महीने के आखिर में 31 अगस्त को रवाना होंगे।
अफगानिस्तान के हालात को लेकर चिंतित है राशिद:-इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन ने खुलासा किया है कि राशिद अफगानिस्तान के मौजूदा हालातों को लेकर काफी चिंतित हैं। पीटरसन के मुताबिक, राशिद अपने परिवार को वहां से नहीं निकाल पा रहे हैं। राशिद इंग्लैंड और वेल्स में जारी 'द हंड्रेड' में ट्रेंट रॉकेट्स के लिए खेल रहे हैं। पीटरसन ने स्काई स्पोर्ट्स से कहा, 'बहुत सी चीजें हैं जो वहां हो रही हैं। हमने इस बारे में लंबी बातचीत की है और इसे लेकर राशिद चिंतित है। वह अपने परिवार को अफगानिस्तान से बाहर नहीं निकाल पा रहे हैं और उसके लिए यह समय बहुत ही कठिन है। राशिद के इतने दबाव में रहते हुए भी इतना शानदार प्रदर्शन करना यह दी हंड्रेड के लिए बेहद प्रेरणादाई है।

पोलैंड में भारतीय तीरंदाजी टीम ने फहराया तिरंगा

» फ्रांस को 5-1 से हराकर भारत बना कैडेट यूथ वर्ल्ड आर्चरी चैंपियनशिप का विजेता

» स्वंतत्रता दिवस पर भारतीय तीरंदाजी टीम की जीत से मिली दोहरी खुशी : खेल मंत्री

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

कैडेट यूथ वर्ल्ड आर्चरी चैंपियनशिप में भारतीय तीरंदाजी टीम के खिलाड़ियों ने स्वतंत्रता दिवस पर स्वर्ण पदक जीतकर पोलैंड में देश का परचम फहरा दिया। पोलैंड के रॉकला सिटी में खेली गई कैडेट/यूथ विश्व तीरंदाजी प्रतियोगिता के अन्तिम दिन 15 अगस्त को फाइनल के रिकर्व टीम इवेंट में भारत ने फ्रांस को 5-1 से परास्त किया और विजेता का गौरव हासिल किया। भारतीय तीरंदाजी टीम में शामिल अमित कुमार ने 80 में से 72 तथा सर्विसेस के विशाल चंगमय और विक्की कुशाल ने 73-73 अंक हासिल किए। इसके अलावा कैडेट यूथ वर्ल्ड आर्चरी चैंपियनशिप के रिकर्व कैडेट मिक्स टीम इवेन्ट में भारत ने 6-2 से जापान को हराकर स्वर्ण पदक जीता। जबकि रिकर्व कैडेट पुरूष की व्यक्तिगत स्पर्धा में भारतीय टीम के खिलाड़ी विशाल चंगमय ने 6-4 से कजाकिस्तान को हराकर देश को कांस्य पदक दिलाया।

खेल मंत्री ने बधाई दी

प्रदेश की खेल और युवा कल्याण मंत्री मान. यशोधरा राजे सिंधिया ने कैडेट यूथ वर्ल्ड आर्चरी चैंपियनशिप में भारत और फ्रांस के बीच खेले गए फाइनल मैच को लाइव देखा। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए स्वर्ण पदक विजेता भारतीय तीरंदाजी टीम के खिलाडियों के शानदार प्रदर्शन की सराहना की। खेल मंत्री ने भारतीय तीरंदाजी टीम के कोच तथा मध्य प्रदेश तीरंदाजी अकादमी के मुख्य प्रशिक्षक श्री रिचपाल सिंह सलारिया और अमित कुमार से फोन पर बात की। उन्होंने भारतीय टीम के कोच सहित सभी खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि स्वंतत्रता दिवस पर भारतीय तीरंदाजी टीम की जीत से दोहरी खुशी मिली है। हमारे खिलाड़ियों ने पोलैंड में तिंरगा फहराकर देश का मान बढ़ाया है जिस पर हमें गर्व है।

अमित का बहुमूल्य योगदान

संचालक खेल और युवा कल्याण श्री पवन जैन ने देश को स्वर्ण पदक दिलाकर देश का परचम फहराने वाली भारतीय तीरंदाजी टीम के खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि देश को स्वर्ण पदक दिलाने में मध्य प्रदेश राज्य तीरंदाजी अकादमी के होनहार खिलाड़ी अमित कुमार का बहुमूल्य योगदान रहा है। खेल संचालक ने भारतीय तीरंदाजी टीम के और मध्य प्रदेश राज्य तीरंदाजी अकादमी के मुख्य प्रशिक्षक श्री रिचपाल सिंह सलारिया को बधाई देते हुए कहा कि श्री सलारिया के नेतृत्व में पोलेंड गई भारतीय तीरंदाजी टीम ने देश को दो स्वर्ण और एक कांस्य पदक दिलाया है, यह देश के लिए गौरव की बात है।

लोकेश राहुल ने इंग्लैंड को दी चेतावनी : टीम इंडिया के ओपनर ने कहा-

अगर आप हमारे एक खिलाड़ी को छेड़ोगे तो सभी 11 खिलाड़ी करारा जवाब देंगे

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

लॉर्ड्स टेस्ट में %प्लेयर ऑफ द मैच% का अवॉर्ड जीतने वाले खिलाड़ी लोकेश राहुल ने इंग्लैंड को चेतावनी दी है। उन्होंने कहा है कि अगर इंग्लिश टीम का कोई खिलाड़ी हमारे एक खिलाड़ी को छेड़ेगा, तो हम 11 छोड़ेंगे नहीं। टीम के 11 खिलाड़ी पलटकर सामने वाली टीम को जवाब देंगे। दरअसल दूसरे टेस्ट मैच के दौरान दोनों टीम के खिलाड़ियों में काफी टकराव देखने को मिला। अंतिम दिन के खेल में तो इंग्लैंड की टीम ने तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को काफी स्लेज किया था। बल्ले से शमी-बुमराह ने दिया जवाब
बुमराह और शमी जब 9वें विकेट के लिए रिकॉर्ड साझेदारी कर रहे थे, तब इस जोड़ी को रूट एंड कंपनी द्वारा लगातार स्लेज किया जा रहा था। बुमराह-शमी भी शांत नहीं बैठे और दोनों ने मुंह के साथ-साथ बल्ले से भी करार जवाब दिया। दोनों ने 89 रनों की नाबाद साझेदारी कर इंग्लैंड की पूरी तरह से मुकाबले से बाहर करने का काम किया।
इसके बाद जब इंग्लैंड 272 रनों के लक्ष्य का पीछा करने मैदान पर उतरी तो कप्तान विराट कोहली और मोहम्मद सिराज को ओली रॉबिन्सन, जोस बटलर और जेम्स एंडरसन के साथ बहस करते देखा गया था।

खुश हूं कि सेंचुरी से जीतने में मदद मिली

दूसरे टेस्ट की पहली पारी में शानदार शतक लगाने वाले सलामी बल्लेबाज लोकेश राहुल ने कहा- जब दो टीमें आमने-सामने होती हैं तो शानदार खेल के साथ-साथ आप ऐसी छींटाकशी की भी उम्मीद करते हैं। हमारे बॉलर्स मैदान पर जाने और परफॉर्म करने के लिए बेताब थे। मुझे खुशी है कि मेरी सेंचुरी से टीम को जीतने में मदद मिली। जब इंग्लैंड ने हमें पहले बैटिंग करने का न्यौता दिया, तब हम पर अच्छा स्टार्ट देने का दबाव था। ओपनिंग पार्टनरशिप टीम के लिए काफी अहम है।

टी20 वर्ल्ड कप शेड्यूल जारी

भारत-पाक का मुकाबला 24 अक्टूबर को दुबई में शाम 7:30 बजे से

» 5 साल बाद होंगे आमने सामने

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने इस साल खेले जाने वाले टी20 वर्ल्ड कप के कार्यक्रम का ऐलान कर दिया है। 2007 की टी20 चैंपियन भारतीय टीम विश्व कप में अभियान की शुरूआत 24 अक्टूबर से करेगी। टीम का पहला ही मुकाबला चिर प्रतिद्वंदी पाकिस्तान के साथ खेला जाएगा। उधर, टूर्नामेंट का पहला मुकाबला 17 अक्टूबर को ओमान और पपुआ न्यू गिनी के बीच खेला जाएगा। फाइनल 14 नवंबर को होगा।
8 मुकाबलों में 7 भारत ने जीते:- भारत और पाकिस्तान के बीच पिछला मुकाबला 2016 में खेला गया था। यह भी टी-20 वर्ल्ड कप मैच था। दोनों टीमें टी-20 वर्ल्ड कप में 5 बार आमने-सामने आ चुकी हैं। इन सभी में भारत ने पाकिस्तान को हराया है। ओवरऑल टी-20 की बात करें, तो भारत और पाकिस्तान ने 8 मैच खेले हैं। इसमें टीम इंडिया ने 7 और पाकिस्तान ने 1 मैच जीता। 1 मैच भारत ने टाई के बाद बॉल आउट में जीता था।
ग्रुप टीमों का पहले हो चुका ऐलान:- आईसीसी ने कुछ समय पहले ही टी20 वर्ल्ड कप के लिए ग्रुप का ऐलान किया था। ओमान में खेले जाने वाले राउंड में 8 टीमें सुपर-12 में जगह बनाने के लिए खेलेंगी। इन टीमों 2014 की टी20 विजेता श्रीलंका के अलावा आयरलैंड और बांग्लादेश जैसी बड़ी टीमों के नाम शामिल हैं।

नई दिल्ली में एक सम्मान समारोह के दौरान व्रोकला में आयोजित विश्व तीरंदाजी युवा चैम्पियनशिप में पदक जीतने वाली महिला तीरंदाज।

प्रतिभावान खिलाड़ियों के लिए 24 अगस्त से पूरे प्रदेश में चलाया जाएगा प्रतिभा चयन कार्यक्रम : खेल संचालक

वीडियों कांफ्रेस में खेल, स्कूल शिक्षा और आदिम जाति विभाग के अधिकारियों को दिशा-निर्देश

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

संचालक खेल और युवा कल्याण श्री पवन जैन ने कहा है कि मध्य प्रदेश में खेल प्रतिभाओं को तलाशने के लिए पूरे प्रदेश में प्रतिभा चयन कार्यक्रम (टेलेंट सर्च) अभियान के रूप में चलाया जाएगा। खेल संचालक आज वीडियो कांफ्रेंसिंग में अधिकारियों को संबोधित कर रहे थे। टैलेंट सर्च के संबंध में आज टी.टी. नगर स्टेडियम के सभागार में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग आयोजित की गई जिसमें संचालक खेल और युवा कल्याण श्री पवन जैन ने प्रतिभा चयन कार्यक्रम के संबंध में अधिकारियों को जरुरी दिशा-निर्देश दिए। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में आदिम जाति विभाग की डिप्टी कमिश्नर सुश्री रीता सिंह, स्कूल शिक्षा विभाग के उप संचालक श्री आलोक खरे और संयुक्त संचालक खेल डॉ. विनोद प्रधान ने भी अधिकारियों का मार्गदर्शन किया। वीडियो कांफ्रेंस में प्रदेश के सभी जिला खेल अधिकारी, स्कूल शिक्षा और आदिम जाति विभाग के अधिकारी शामिल हुए।
खेल प्रतिभाओं को खोजने के लिए प्रदेश में व्यापक अभियान:- खेल संचालक श्री पवन जैन ने बताया कि शहरों के साथ ही ग्रामीण और कस्बाई इलाकों में भविष्य की खेल प्रतिभाओं को तलाशकर तराशने के लिए मध्यप्रदेश में ''टेलेंट सर्च 2021'' नाम से व्यापक अभियान प्रारंभ किया गया है। इसके तहत कम से कम 2,500 बालक-बालिकाओं का चयन कर उन्हें अत्याधुनिक संसाधनों और प्रशिक्षकों की मौजूदगी में खेल विभाग द्वारा संचालित अकादमियों में प्रशिक्षण दिया जाएगा। अभियान के तहत चयनित खिलाड़ी लगभग 80 प्रतिशत राज्य के और शेष 20 प्रतिशत अन्य राज्यों के होंगे। अन्य राज्यों के खिलाड़ियों का चयन वरीयता (मेरिट) के आधार भी किया जाता है। इस अभियान में खेल एवं युवा कल्याण विभाग, स्कूल शिक्षा विभाग और आदिम जाति कल्याण विभाग की मदद से कार्य कर रहा है। अभियान के तहत 18 खेलों में श्रेष्ठ प्रशिक्षण के जरिए भविष्य के खेल सितारे तैयार करने के लिए 12 से 18 वर्ष आयु वर्ग के बालक-बालिकाओं का चयन सभी 52 जिलों से किया जाएगा। विशेष उपलब्धि हासिल करने के मामलों में खिलाडियों की उम्र 18 वर्ष से अधिक की भी हो सकती है।

न्यूज ब्रीफ

जांच की मांग अटकलों पर आधारित : केंद्र सरकार

केंद्र ने सोमवार को सर्वोच्च न्यायालय को बताया कि पेगासस जासूसी के आरोपों को लेकर स्वतंत्र जांच की मांग करने वाली याचिकाएं अटकलों, अनुमानों और मीडिया में आई अपुष्ट खबरों पर आधारित हैं। केंद्र सरकार ने कहा कि पेगासस जासूसी के आरोपों में छिपाने के लिए कुछ भी नहीं है और वह इस मामले के सभी पहलुओं के निरीक्षण के लिए प्रमुख विशेषज्ञों की एक विशेषज्ञ समिति बनाएगी। मुख्य न्यायाधीश एन वी रमण, न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति अनिरुद्ध बोस के तीन सदस्यीय पीठ ने इस बात पर चर्चा की कि क्या इस मामले में सोमवार को संक्षिप्त सीमित हलफनामा दायर करने वाली केंद्र सरकार को विस्तृत हलफनामा दायर करना चाहिए। इस मामले में मंगलवार को भी सुनवाई जारी रहेगी। न्यायालय इजरायल के जासूसी सॉफ्टवेयर पेगासस से कथित तौर पर जासूसी कराए जाने के मामले की स्वतंत्र जांच कराने के अनुरोध वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा है। जासूसी के आरोपों की जांच को लेकर याचिका दायर करने वाले वरिष्ठ पत्रकार एन राम और शशि कुमार की तरफ से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने कहा कि सरकार का हलफनामा यह नहीं बताता कि सरकार या उसकी एजेंसियों ने जासूसी सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल किया या नहीं। सोलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने पीठ को बताया कि पेगासस मामले में राष्ट्रीय सुरक्षा का पहलू शामिल होगा और यह संवेदनशील मामला है।

हाजिर मांग से सोना वायदा कीमतों में तेजी

नई दिल्ली। मजबूत हाजिर मांग के बीच सटोरियों ने ताजा सौदों की लिवाली की जिससे स्थानीय वायदा बाजार में मंगलवार को सोने का भाव 184 रुपये की तेजी के साथ 47 मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में अक्टूबर महीने की डिलिवरी के लिये सोने की कीमत 184 रुपये यानी 0.39 प्रतिशत की तेजी के साथ 47,409 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। इसमें 12,527 लॉट के लिये कारोबार हुआ। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि कारोबारियों द्वारा ताजा सौदों की लिवाली करने से सोना वायदा कीमतों में लाभ दर्ज हुआ। वैश्विक स्तर पर न्यूयार्क में सोने की कीमत 0.24 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,794.10 डॉलर प्रति औंस हो गई।

भारत दक्षिण एशिया में अफगानिस्तान के प्रोडक्ट्स का सबसे बड़ा बाजार

अफगानिस्तान के साथ कारोबार खत्म होने की आशंका भारत का 22 हजार करोड़ रुपए का निवेश फंसा

ड्राई फ्रूट्स महंगे होंगे

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

अफगानिस्तान में तालिबान ने कब्जा कर लिया है। इसका सीधा असर भारत और अफगानिस्तान के व्यापार पर पड़ेगा। इसका मुख्य कारण है कि भारत सरकार तालिबान को मान्यता नहीं देती है। जबकि भारत के अफगानिस्तान सरकार के साथ अच्छे संबंध थे। भारत दक्षिण एशिया में अफगानिस्तान के प्रोडक्ट्स का सबसे बड़ा बाजार है। भारत ने अफगानिस्तान में करीब 3 अरब डॉलर (22,251 करोड़ रुपए) का निवेश किया है।

दोनों देशों के बीच 10 हजार करोड़ से ज्यादा का कारोबार

भारत और अफगानिस्तान के बीच द्विपक्षीय कारोबार होता है। फाइनेंशियल ईयर 2020-21 में दोनों देशों के बीच 1.4 अरब डॉलर, यानी 10,387 करोड़ रुपए का व्यापार हुआ है। इसी तरह 2019-20 में दोनों देशों के बीच 1.5 अरब डॉलर (11,131 करोड़ रुपए) का व्यापार हुआ था। 2020-21 में भारत ने अफगानिस्तान को करीब 6,129 करोड़ रुपए के प्रोडक्ट्स एक्सपोर्ट किए थे, जबकि भारत ने 37,83 करोड़ रुपए के प्रोडक्ट्स इंपोर्ट किए गए थे।

अफगानिस्तान से इंपोर्ट होने वाले प्रोडक्ट्स

भारत, अफगानिस्तान से किशमिश, अखरोट, बादाम, अंजीर, पिस्ता, सूखे खूबानी जैसे मेवे इंपोर्ट करता है। इसके अलावा अनार, सेब, चेरी, खरबूजा, तरबूज, हींग, जीरा और केसर भी इंपोर्ट करता है।

भारत से एक्सपोर्ट होने वाले प्रोडक्ट्स: -भारत अफगानिस्तान को गेहूं, कॉफी, इलायची, काली मिर्च, तंबाकू, नारियल और नारियल के जूट से बना सामान भेजता है। इसके अलावा कपड़े, कन्फैक्शनरी का सामान, मछली से बने प्रोडक्ट, वेजीटेबल घी, वेजीटेबल ऑयल एक्सपोर्ट करता है। साथ ही वनस्पति, केमिकल प्रोडक्ट्स और साबुन, ड्रग्स, दवाईयां और एंटी-बायोटिक्स, इंजीनियरिंग का सामान, इलेक्ट्रिकल सामान, रबर से बने प्रोडक्ट, मिलिट्री इक्विपमेंट्स समेत अन्य प्रोडक्ट भेजता है।

अफगानिस्तान के साथ व्यापार की उम्मीद कमः अजय बग्गा

विदेशी मामलों के जानकर अजय बग्गा ने बताया कि तालिबान के दौर में रिश्ते पहले जैसे नहीं रह जाएंगे। अफगानिस्तान के साथ भारत का व्यापार एक तरफा था। भारत ने अफगानिस्तान में डेवलपमेंट किया, लेकिन अब अफगानिस्तान चीन की एक्सिस में चला गया है। जिसके कारण अब अफगानिस्तान के साथ व्यापार की उम्मीद कम ही है। अफगानिस्तान के साथ व्यापार लगभग खत्म है। भारत कैलिफोर्निया से भी ड्राई फ्रूट्स का इंपोर्ट करता है, लेकिन इस साल वहां भी कुछ समस्याएं हैं जिसके चलते ड्राई फ्रूट्स की कीमतें और बढ़ेंगी।

भारत का वैश्विक कारोबार होगा प्रभावित

भारत ने पिछले 20 सालों में अफगानिस्तान में करीब 22 हजार 251 करोड़ रुपए का निवेश किया है। इसके पीछे भारत की रणनीति ये थी कि ईरान में चाबहार पोर्ट को सड़क मार्ग के जरिए अफगानिस्तान से जोड़ा जाएगा। ईरान के चाबहार बंदरगाह से अफगानिस्तान के देलारम तक की सड़क परियोजना का काम भी जारी है। इससे अफगानिस्तान के रास्ते मध्य यूरोप तक भारत की पहुंच आसान होगी। इस रूट से भारत मध्य यूरोप के साथ कारोबार भी कर पाएगा, लेकिन अब इस योजना पर पानी फिरता नजर आ रहा है। पिछले दो दशक के दौरान भारत ने अफगानिस्तान के विकास के लिए काफी काम किया है। भारत ने यहां पर डेलारम और जरांज सलमा बांध के बीच करीब 218 किमी लंबी सड़क का निर्माण करवाया है। इसके अलावा अफगानिस्तान की संसद का निर्माण भी भारत ने करवाया है।

महंगी जिंस तले दबा मार्जिन

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

कोविड-19 से कमाई पर चोट खाने के बाद भारतीय कंपनियों के सामने महंगाई और जिंसों की ऊंची कीमतों के कारण राजस्व और मार्जिन पर बुरा असर पडने् की चिंता खड़ी हो गई है। महंगाई की सबसे ज्यादा फिक्र वाहन, टिकाऊ उपभोक्ता सामान और रोजमर्रा के सामान (एफएमसीजी) जैसे उपभोक्ता उत्पाद बनाने वाली कंपनियों मे है। सभी क्षेत्रों की कंपनियों को डर है कि कमजोर मांग के कारण वे कच्चे माल की लागत में बढ़ोतरी का बोझ ग्राहकों पर नहीं डाल पाएंगी, जिसका असर अगली कुछ तिमाहियों में उनके मार्जिन और मुनाफे पर पड़ेगा। मारुति सुजूकी इंडिया में कार्यकारी निदेशक (बिक्री एवं विपणन) शशांक श्रीवास्तव ने कहा, %हम सतर्क हैं और स्थिति पर पैनी नजर रख रहे हैं।% उन्होंने मांग में शुरुआती सुधार के बीच बिक्री की रफ्तार बनाए रखने की कंपनी की रणनीति का संकेत दिया। मारुति देश की सबसे बड़ी यात्री कार कंपनी है मगर कच्चे माल की अधिक लागत और कम बिक्री के कारण जून 2021 तिमाही (वित्त वर्ष 2022 की पहली तिमाही) में उसका परिचालन मार्जिन एक दशक में सबसे कम रहा। श्रीवास्तव ने कहा कि वित्त वर्ष 2022 के पहले चार महीनों में मारुति की बिक्री पिछली तिमाही और साल भर पहले की तुलना में काफी बढ़ी है। मगर वित्त वर्ष 2019 की इसी अवधि के मुकाबले बिक्री का आंकड़ा 19 फीसदी कम है।

टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद कंपनियों की भी यही स्थिति है। हैवेल्स इंडिया के चेयरमैन और एमडी अनिल राय गुप्ता ने विश्लेषकों से बातचीत में कहा, जिंसों के दाम अब तक के सबसे ऊंचे स्तरों पर हैं, जिससे मार्जिन पर चोट पड़ रही है। इस वजह से हम बाजार में अपने उत्पादों की बिक्री कीमत और बाजार हिस्सेदारी तथा मार्जिन के बीच लगातार संतुलन बनाकर चलते रहे हैं। उत्पादन लागत बढने् के कारण वित्त वर्ष 2022 की पहली तिमाही में कंपनी का परिचालन मार्जिन वित्त वर्ष 2021 की आखिरी तिमाही के मुकाबले 140 आधार अंक घट गया। एफएमसीजी कंपनियों की स्थिति कुछ बेहतर है क्योंकि उनके पास दाम बढ़ाने का अधिक मौका और गुंजाइश होते हैं। लेकिन जून में खत्म तिमाही के दौरान उनके भी मार्जिन में कमी आई है।

वायकॉम18 को टी10 क्रिकेट लीग के अधिकार मिले

नई दिल्ली। मनोरंजन आधारित प्रसारक वायकॉम18 ने अबू धाबी में खेली जाने वाली लघु प्रारूप क्रिकेट श्रृंखला के टीवी और डिजिटल प्रसारण अधिकार हासिल किए हैं और भविष्य में अन्य खेल आयोजनों के लिए बोली लगाने की इच्छा जताई है। रिलायंस इंडस्ट्रीज के स्वामित्व वाले वायकॉम18 के हिंदी फिल्मों के व्यवसाय प्रमुख रोहन लवसी ने पीटीआई-भाषा से कहा कि प्रसारक को लगता है कि खेल से उसकी मौजदा पेशकश का विस्तार होता है। लवसी ने कहा कि वायकॉम18 अन्य खेल आयोजनों के लिए बोली लगाने का इच्छुक है। इस क्षेत्र में कंपनी को डिज्नी हॉटस्टार और सोनी जैसे प्रतिद्वंद्वियों से मुकाबला करना है। कंपनी ने क्रिकेट, फुटबॉल और कबड्डी को दर्शकों की रुचि वाले खेल के रूप में चिह्नित किया है।

इक्विटी बाजार में तेजी से हाइब्रिड फंड चमके

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

भारतीय इक्विटी बाजारों के रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचने और महंगे मूल्यांकन की वजह से कुछ विश्लेषक कथित एग्रेसिव हाइब्रिड फंडों में अवसर तलाश रहे हैं। विश्लेषकों का कहना है कि ऐसे फंडों ये बाजार गिरने की स्थिति में मदद मिल सकती है। जुलाई में, इस श्रेणी में 2021 में पहली बार अच्छा शुद्ध प्रवाह दर्ज किया गया। वर्ष 2017 से पहले, एग्रेसिव हाइब्रिड श्रेणी निवेशकों के बीच बेहद पसंदीदा थी, क्योंकि इसमें प्योर इक्विटी फंडों के मुकाबले कम जोखिम था और इसने डेट योजनाओं के मुकाबले बेहतर प्रतिफल भी दिया। बाद में, ऐसे हाइब्रिड फंडों की लोकप्रियता कमजोर पड़ गई, क्योंकि इक्विटी प्रतिफल में तेजी आई। उद्योग के जानकारों का कहना है कि अब इक्विटी बाजारों में तेजी के साथ इस श्रेणी की फिर से मांग बढ़ी है। भारत में म्युचुअल फंडों के संगठन एम्फी के आंकड़े से पता चलता है कि जुलाई में एग्रेसिव हाइब्रिड श्रेणी में 741 करोड़ रुपये का शुद्ध पूंजी प्रवाह आकर्षित हुआ। ऐक्सिस म्युचुअल फंड के इक्विटी फंड प्रबंधक आशिष नाइक का कहना है, मार्च 2020 के निचले स्तरों से, इक्विटी बाजारों में एकतरफा तेजी दर्ज की गई है। चूं इस श्रेणी ने अपना करीब 65-80 प्रतिशत निवेश इक्विटी में लगाया, इसलिए इक्विटी बाजार में अच्छी तेजी का लाभ निवेशकों को ज्यादा मिला है।%

ऐसी योजनाओं में 65-80 प्रतिशत हिस्सा इक्विटी और शेष डेट प्रतिभूतियों में करना अनिवार्य है। पिछले साल के दौरान, एग्रेसिव हाइब्रिड श्रेणी ने 41 प्रतिशत का औसत प्रतिफल दिया, जो मल्टी-ऐसेट एलोकेशन, डायनमेमिक ऐसेट एलोकेशन, और कंजरवेटिव हाइब्रिड जैसी अन्य हाइब्रिड श्रेणियों के मुकाबले ज्यादा है।

प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा और प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना में 30 रुपए महीने से भी कम में मिलेगा 4 लाख का इंश्योरेंस

कोई भी व्यक्ति ले सकता है इनका लाभ

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

देश के कमजोर वर्ग तक लाइफ इंश्योरेंस को पहुंचाने के लिए केंद्र सरकार की ओर से 2 योजनाएं चलाई जा रही हैं। प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना और प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना में आपको बहुत कम कीमत में 2-2 लाख रुपए तक का लाइफ इंश्योरेंस मिलता है। इन योजनाओं के तहत आप सिर्फ 342 रुपए सालाना यानी 30 रुपए महीने से भी कम के खर्च पर 4 लाख रुपए तक का इंश्योरेंस पा सकते हैं। हम आपको इन दोनों योजनाओं के बारे में बता रहे हैं।

1 रुपए महीने में मिलेगा 2 लाख रुपए का कवर

इस योजना के तहत सरकार मात्र 1 रुपए महीने में 2 लाख का डेथ इंश्योरेंस देती है। योजना के तहत हर महीने एक रुपए के आधार पर 12 रुपए सालाना प्रीमियम पर कई तरह के कवर मिलते हैं। यह राशि आपके लिंक्ड बैंक अकाउंट से हर महीने

डिडक्ट होती है। इसके तहत 2 लाख रुपए का कवर मिलता है वहीं अलग-अलग परिस्थितियों में एक लाख रुपए मिलते हैं। इस योजना को मई 2016 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लॉन्च किया था।

आवेदक के पास बैंक अकाउंट होना जरूरी

प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना का फॉर्म आप ऑनलाइन या फिर बैंक जाकर भर सकते हैं। किसी भी बैंक के जरिए आप यह इंश्योरेंस ले सकते हैं। पब्लिक सेक्टर के साथ प्राइवेट बैंकों ने भी अपनी वेबसाइट्स पर इससे संबंधित पूरी जानकारी दी है। इस योजना का लाभ लेने के लिए आवेदक के पास बैंक अकाउंट होना जरूरी है। बैंक अकाउंट से पैसा सीधे कट जाता है।

दुर्घटना में मृत्यु होने पर मिलेगी 2 लाख की सहायता

दुर्घटना में स्थाई पूर्ण विकलांग होने, जैसे दोनों आंख या दोनों हाथ या दोनों पैर खो देना, या एक आंख और एक हाथ या एक पैर खोने पर 2 लाख रुपए का भुगतान किया जाएगा। दुर्घटना में स्थाई आंशिक विकलांगता होने, जैसे एक आंख में दृष्टि जाने पर, या एक हाथ या एक पैर का इस्तेमाल न कर पाने की स्थिति में 1 लाख रुपए का भुगतान किया जाएगा।

कौन ले सकता है इसका लाभ

आवेदक की उम्र कम से कम 18 साल होना चाहिए। वहीं, अधिकतम 70 साल तक के लोग ही इस बीमा का लाभ ले सकेंगे। योजना से जुड़ी ज्यादा जानकारी के लिए यहां क्लिक करें

PRESS ITDC

ITDC NEWS

www.itdcindia.com

मध्य भारत से विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचारपत्र
आईटीडीसी न्यूज़,

विश्वसनीयता की अपेक्षा पर खरा बनाने के लिए हम निरंतर कार्य कर रहे हैं,
प्रति सप्ताह आप सभी का स्वागत

मेरे लोग, मेरा विधान

इसके तहत हम आप सभी से अनुरोध कर रहे हैं कि
विश्लेषणात्मक रचनाएं, जनसामान्य हित में
नई जानकारियां, लेख, आलेख, टीका, विवेचना, समाचार, रोचक तथ्य,
नए प्रयास, अभिनव प्रयोग के रूप में हमें प्रेषित करें।

आपकी रचना, नाम, चित्र सहित, अधिकाधिक पाठकों तक पहुंचे,
इसके लिए हम, समाचार पत्र में प्रकाशित रचनाओं को,
देश के सभी प्रचलित सोशल मीडिया स्टैंड जैसे फेसबुक, लिंकेडीन, यूट्यूब, जीटॉक, टिवीटर, इंस्टाग्राम
व्हाट्सएप्प एवं हमारे डिजिटल स्टैंड से प्रचार-प्रसार भी देंगे।
(दीर्घ समय तक https://www.itdcindia.com/saga-news.php पर भी उपलब्ध)
जिससे लाभान्वित जनों की संख्या निरंतर बढ़ती रहे।

आप सभी इच्छुकजन अपनी गैरमानदेय,
अपठित, नवीन, मूल एवं मौलिक रचना, हिन्दी में हमें प्रेषित करें।
(और अंग्रेजी में भेजने पर केवल हमारे डिजिटल स्टैंड पर ही प्रकाशन होगा)
उक्त हेतु, आपका चित्र, नाम, शहर, मोबाइल न, आपकी रचना, मेल करें-ईमेल
itdcnewsmp@gmail.com

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़ के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक राधिका वीरेंद्र, स्वामी- इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर इंडिया ईप्रेस द्वारा साई प्रिंटर्स, 91, जहांगीराबाद, भोपाल से मुद्रित करवाकर, श्री परिसर, 23 पश्चिम निशातपुरा, डीआईजी बंगला, भोपाल से प्रकाशित। संपादक- राधिका वीरेंद्र आरएनआई क्र. MPHIN/2018/77221, 0755-4223334 पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।